दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-141 | सीहोर,मंगलवार 21 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विधानसभा के मानसून सत्र-यूसीसी विधेयक पेश,कांग्रेस विधायकों ने किया विरोध

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक-2026 सदन में पेश कर दिया। इस पर मंगलवार को चर्चा होगी, लेकिन पहले ही दिन इसे लेकर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने आ गए। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का सदन में संबोधन दौरान किसान और फसल को लेकर चर्चा की गई। सिंघार ने कहा कि प्रदेश की 213 मृदा परीक्षण लैब बंद पड़ी हैं। उनमें गोबर रखा जा रहा है। सिंघार ने कहा कि सारी बातें प्रमाण के साथ कह रहा हूं। गौ माता को लेकर बात करते हैं, लेकिन किसान को भूल जाते हैं। सरकार के पास फसल खरीदी के लिए पैसा नहीं है। किसान कर्ज में डूबा है उन्हें राहत नहीं। खाद-बीज उपलब्ध नहीं करा पाती सरकार। आंकड़ों में खाद है सरकार के पास। कम वर्षा, अल्प वर्षा है। .सोयाबीन समेत कई फसल भी प्रभावित होंगी। सूखे की आशंका है। कई संकट सामने नजर आ रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा संकट आने वाला है। सरकार किसान कल्याण वर्ष में DAP की उपलब्धता नहीं हुई। यदि यूरिया है तो किसान लाइन में क्यों लगा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बिल को अनुपूरक कार्यसूची में 'चोरी-छिपे' जोड़ा गया और मंगलवार को भी विरोध जारी रखने का ऐलान किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि यूसीसी विधेयक पर मंगलवार को चर्चा कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने आरोप लगाया कि यूसीसी विधेयक पहले सदन के पटल पर रखा गया और बाद में उसे अनुपूरक कार्यसूची में जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसका कड़ा विरोध किया है और मंगलवार को भी विरोध जारी रहेगा। मसूद ने बताया कि उन्होंने विधेयक पर संशोधन का प्रस्ताव भी दिया है। उनका कहना है कि अध्यक्ष यदि अनुमति देंगे तो कांग्रेस इस पर विस्तार से अपनी बात रखेगी।इससे पहले भी कांग्रेस ने कार्यसूची में यूसीसी सहित एक साथ कई विधेयक शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई। कांग्रेस विधायकों का कहना था कि विधेयकों को पहले कार्यसूची में शामिल नहीं किया गया।

कांग्रेस का किसानों के मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन, उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को विधानसभा परिसर में कांग्रेस विधायक दल ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में किसानों के मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। खाद संकट, सरकारी खरीदी में कथित अनियमितताओं, किसानों को उचित मुआवजा और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिलने के मुद्दे पर कांग्रेस ने राज्य सरकार को घेरा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के मुखौटे पहनकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। इस दौरान सरकार के खिलाफ किसान विरोधी नीतियों के आरोप लगाते हुए नारेबाजी की गई और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश का किसान गंभीर संकट से जूझ रहा है, लेकिन सरकार समाधान निकालने के बजाय केवल औपचारिकताओं में उलझी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध नहीं हो रहे हैं, जिससे खेती प्रभावित हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को मध्यप्रदेश विधानसभा में पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन, एसआईटी का होगा पुनर्गठन

आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई टीम करेगी जांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के सनसनीखेज मामले में सोमवार (20 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एक बड़ा आदेश पारित किया है। शीर्ष अदालत ने किसी वरिष्ठ अधिकारी की अगुवाई में मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) का पुनर्गठन करने का सख्त निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि मामले की जांच तेज गति से जारी है और पुलिस अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल से सीधे तौर पर पूछा कि वर्तमान में इस मामले की जांच कौन कर रहा है। इस पर तुषार मेहता ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई का पता लगाने के लिए ही SIT बनाई गई थी और अब पुलिस इसकी जांच कर रही है। एसजी ने अदालत को बताया कि जांच एजेंसी ने अपनी तफ्तीश में पाया है कि यह पूरी तरह से एक संज्ञेय अपराध (कॉग्निजेबल ऑफेंस) है, जिसमें पुलिस को बिना वारंट के गिरफ्तारी करने का अधिकार होता है। सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने मामले को लेकर हो रही बयानबाजी पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इस पूरे मुद्दे का किसी भी तरह से राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने सख्त लहजे में कहा कि अदालतें राजनीति करने की जगह नहीं हैं, यह सीधे तौर पर अपराध को अंजाम देने का एक साधारण मामला है। उन्होंने एसजी तुषार मेहता से कहा कि एसआईटी में वरिष्ठ सदस्य शामिल थे, ऐसे में पता करें कि क्या जांच के लिए नई SIT बनाई जा सकती है, जिस पर एसजी ने सहमति जताते हुए नई टीम बनाकर रिकॉर्ड पर रखने की बात कही। कोर्ट ने साफ किया कि उनका काम केवल यह सुनिश्चित करना है कि मामले की ठीक से

संसद में पहले ही दिन भारी हंगामा, नहीं चल सकी राज्यसभा, कार्यवाही 6 बार स्थगित

नई दिल्ली(आरएनएस)। सोमवार को संसद के मानसून सत्र का पहला दिन था। हालांकि पहले ही दिन संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जबरदस्त तकरार देखने को मिली। संसद के दोनों सदनों में लगातार हंगामा होता और कार्यवाही स्थगित होती रही। कुल 6 बार राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसके बावजूद भी हंगामे की स्थिति बनी रही और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सोमवार को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने राज्यसभा में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले का विषय उठाया। खडगे ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। खडगे ने पेपर लीक और नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, जबकि देशभर के लाखों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। खडगे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का जिक्र किया।

सोनम वांगचुक का हाथ से लिखा पत्र आया सामने, मांगें पूरी होने तक अनशन जारी रखने का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के अस्पताल में भर्ती लद्दाख के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने आज एक बेहद बड़ा ऐलान किया है। वांगचुक ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अपना अनशन तब तक खत्म नहीं करेंगे, जब तक कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती, या फिर प्रशासन उन युवा नेताओं को अस्पताल में आकर उनसे (वांगचुक से) मिलने की इजाजत नहीं दे देता। वांगचुक के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से उनके हस्ताक्षर वाला एक हाथ से लिखा हुआ नोट साझा किया गया है, जिसने आंदोलनकारियों में नया जोश भर दिया है। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने सोशल मीडिया पर अपने पति का यह हाथ से लिखा संदेश जनता के साथ साझा किया। इस पत्र के जरिए वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बैनर तले दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं और छात्रों के प्रति अपनी गहरी एकजुटता व्यक्त की है। गौरतलब है कि यह युवा समूह नीट-यूजी (NEET-UG) पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर लगातार अड़ा हुआ है।

ऑन-ड्यूटी ईयरफोन और हेडफोन लगाने वाले पुलिसकर्मियों पर गिरेगी गाज

विभाग ने लगाया पूर्ण प्रतिबंध, हुक्म फरमानी पर होगी सख्त कार्रवाई

कोलकाता(आरएनएस)। ईयरफोन और हेडफोन आज जहां हादसों के कारण बन रहें हैं वहीं इससे कामकाजी जीवन पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कोलकाता पुलिस ने ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के ईयरफोन और हेडफोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी है। आदेश का उल्लंघन करने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस संबंध में सभी थाना प्रभारियों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

पुलिस कमिश्नर अजय नंद के निर्देश पर जारी इस आदेश में कहा गया है कि ड्यूटी के दौरान कोई भी पुलिसकर्मी ईयरफोन या हेडफोन का उपयोग नहीं करेगा। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हाल के दिनों में यह देखा गया था कि कुछ पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन पर वीडियो देख रहे थे या ईयरफोन लगाकर संगीत सुन रहे थे।

'कॉकरोच' पर टूट पड़ी दिल्ली पुलिस की लाठी, जंतर-मंतर पर पीटे गए प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली(ए.)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया है। पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से संसद की तरफ जाने से रोक दिया है। तमाम रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी संसद भवन की तरफ बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने उनको खदेड़ा और उन पर लाठीचार्ज किया।दरअसल, सुबह के समय प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा रोकने पर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कुछ मीडिया रिपोर्टों में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और हिरासत में लिए जाने के दावे किए गए हैं, जबकि पुलिस ने इन दावों से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली क्षेत्र में पहले से ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी, जिसके चलते पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध था। संसद की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई और बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए।कुछ प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा पार कर आगे बढ़ने में सफल रहे, जबकि कई अन्य को पुलिस ने मौके पर रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी खबरें सामने आई हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि प्रदर्शन को पेशेवर तरीके से नियंत्रित किया जा रहा है और किसी प्रकार के बल प्रयोग की बात सही नहीं है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग की आलोचना की

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह शिक्षा नीति की कमियों पर चर्चा करने से कतरा रही है। संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल की निंदा की, जो राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं और शिक्षा नीति में गड़बडियों के खिलाफ संसद के पास विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। सांसद ने कहा, आप उन्हें पीट रहे हैं और उन पर आंसू गैस छोड़ रहे हैं। ऐसा क्यों किया जा रहा है? आखिरकार, वे हमारे बच्चे हैं। उन्होंने कहा, वे देश का भविष्य हैं। यह संसद उनकी है। यह किसी की निजी संपत्ति नहीं है। हम सभी यह मुद्दा उठाते रहे हैं और कहते रहे हैं कि शिक्षा नीति में वास्तविक समस्याएं हैं, और राहुल गांधी लंबे समय से यह मुद्दा उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सभी चर्चा करने का अनुरोध करते रहे हैं। शिक्षा नीति में बड़ी समस्याएं और मुद्दे हैं, लेकिन आप कोई चर्चा करने को तैयार नहीं हैं और दूसरी ओर, आप बच्चों को पीट रहे हैं।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, 24 घंटे में तीन की मौत; यमुनोत्री हाईवे अब भी बंद

देहरादून, (ए.)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पिछले 24 घंटों में प्राकृतिक आपदाओं और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मलबा, बोल्डर गिरने और जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पालीगाड़ के पास मलबा आने के कारण अब भी बंद है।राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की सोमवार को जारी 24 घंटे की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, पिथौरागढ़ जिले की धारचूला तहसील के पोषिला गांव में जंगल में बकरियां चरा रहे 52 वर्षीय दीवान सिंह की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।नैनीताल जिले के हल्द्वानी ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है।टिहरी जिले के प्रतापनगर-लंबगांव मोटर मार्ग पर एक कार करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में चालक 38 वर्षीय होशियार सिंह पंवार, निवासी खोलगढ़, गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।रुद्रप्रयाग जिले के संकराड़ी-खाकरा-पीपली मार्ग पर एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हो गए, जबकि वाहन में मौजूद एक भैंस की मौत हो गई। घायलों को बेस अस्पताल श्रीनगर में भर्ती कराया गया है। पौड़ी जिले के ऋषिकेश-कीर्तिनगर मोटर मार्ग पर चलती कार के ऊपर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

रतलाम में कुएं में डूबने से दो मासूम की मौत, नहाते समय फिसला था पैर

रतलाम (आरएनएस)। ज़िले के रावटी थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहाँ खेत पर बने कुएं में नहाने गए दो मासूम बच्चों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा नहाते समय पैर फिसलने के कारण हुआ।मिली जानकारी के अनुसार, बीते दिन रविवार को रावटी थाना क्षेत्र के ग्राम मोरटुका में रहने वाले मोहन भांभर की 12 वर्षीय बेटी सपना और भूरा डामर की 8 वर्षीय बेटा सोनू अपने खेत पर गए हुए थे। इस दौरान दोनों खेत पर बने कुएं में नहाने लगे। नहाते वक्त अचानक पैर फिसलने के कारण दोनों गहरे पानी में जा गिरे और डूब गए।हादसे की सूचना मिलते ही रावटी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बच्चों के शवों को कुएं से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज पहुँचाया। घटना के बाद से ही गाँव और मासूमों के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

देश में सर्वश्रेष्ठ बने मध्यप्रदेश पुलिस : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में 25 हजार पदोन्नतियों के लिए दी बधाई

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति अभियान में पुलिस में सर्वाधिक पदोन्नतियां हुई हैं। इसलिए कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए रखने, अपराधों पर सख्त नियंत्रण और अधिक परिणाम लाने का कार्य किया जाए। मध्यप्रदेश पुलिस देश में सर्वश्रेष्ठ पुलिस मानी जाए, इसके लिए प्रयासों में कमी नहीं रखना है। नागरिकों में पुलिस के प्रति भरोसा है, इसे कायम रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में विभिन्न स्तरों के लगभग 25 हजार पदों पर की गई पदोन्नति की कार्यवाही के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह विभाग संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा लागू नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी कार्य हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राजधानी से लेकर जिलों तक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पुलिस बल आने वाले त्योहारों और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की आवश्यक तैयारी करें। नागरिकों को बेहतर कानून व्यवस्था का लाभ मिले। पुलिस अमला त्योहारों के अवसर पर मुस्तैद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद के खात्मे के लिए जिस दृढ़ संकल्प और

इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए उपलब्धि प्राप्त की गई, उसमें मध्यप्रदेश के नक्सल क्षेत्र को भी सामान्य बनाने में सफलता मिली है। नक्सलवाद के खत्म होने के पश्चात विकास कार्यों की गति बढ़ानी है और ऐसे इलाकों में पुलिस अमला भी सकारात्मक कार्यों से जुड़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभा सकता है।

नशा मुक्ति अभियान का निरंतर क्रियान्वयन करे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नशामुक्ति अभियान का निरंतर क्रियान्वयन होता रहे। हाल ही में अभियान के अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी स्लोगन को लोकप्रियता मिली है और नागरिकों ने नशामुक्ति की शपथ ली है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित नशामुक्ति अभियान के लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जाए। नक्सलवाद से मुक्ति की तरह नशा मुक्ति के लिए तय समय-सीमा के पहले ही मध्यप्रदेश अच्छा कार्य करके दिखाए। इस क्रम में पुलिस विभाग, उच्च शिक्षा विभाग से समन्वय कर शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता बढ़ाने में सहयोगी बनें। श्रेष्ठ कार्य के लिए नशामुक्ति अभियान में योगदान देने वालों को पुरस्कृत भी करें। अन्य राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन पर नियंत्रण किया जाए।

उद्योग क्षेत्र और अन्य संस्थानों को उपलब्ध करवाएं सुरक्षा स्टाफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों का विस्तार हो रहा है, इस नाते आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी जरूरी हो गई है। विभिन्न संस्थानों और उद्योग क्षेत्र के लिए एसआईएसएफ से लाइसेंसधारी सुरक्षा स्टाफ प्रदान करवाने का कार्य हो। भविष्य की दृष्टि से विकास के क्षेत्रों और सामाजिक स्तर पर उत्पन्न होने वाली चुनौतियों की भी तैयारी रखें। वरिष्ठ अधिकारी हर समस्या के समाधान के प्रयास करें।

प्रमोशन और नियुक्ति का अभियान जारी रहे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस के लिए आवश्यक पदों की स्वीकृति दी गई है। राज्य शासन प्रदेश में नागरिकों के लिए शांति व्यवस्था और सदभाव के वातावरण को बनाए रखने के लिए पुलिस बल में पर्याप्त वृद्धि के निरंतर प्रयास कर रहा है। इस सिलसिले में लगभग 25 हजार पदोन्नतियां हाल ही में विशेष अभियान के अंतर्गत विभिन्न पदों पर की गई हैं। आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक और निरीक्षक के पदों पर बरसों से पदोन्नतियां नहीं हुई थीं। अन्य विभागों के साथ पुलिस विभाग में पदोन्नतियों का लाभ आमजन को बेहतर सेवाओं के रूप में मिलेगा। आगे भी पद रिक्त होने की स्थिति में डीपीसी कर प्रक्रिया पूर्ण की जाए।

भोपाल में ई-बसों का ट्रायल शुरू बैरागढ़ से तीन रूट पर दौड़ी; अगले 5 दिन तक चलेगी

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल में ई-बसों का ट्रायल रन शुरू हो गया है। सोमवार सुबह से बैरागढ़ स्थित डिपो से ई-बसें निकली और 3 रूट पर दौड़ने लगी। अगले 5 दिन तक बसें सड़कों पर दौड़ेगी। अगस्त में आम लोगों के लिए बसें चलने लगेगी। एक दिन पहले रविवार को जगदीशपुर में हुई कैबिनेट में इन्हीं 3 ई-बसों के जरिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री और सीनियर अधिकारी पहुंचे थे।ट्रायल के दौरान बसों के संचालन, रूट की व्यवहारिकता, चार्जिंग व्यवस्था और तकनीकी खामियों की जांच की जा रही है। यह ड्राय रन होने से यात्रियों के लिए सफर की मनाही है। हालांकि, पार्षदों को बैठाकर ट्रायल रन में शामिल किया जाएगा। ट्रायल के दौरान बसों का संचालन दो शिफ्ट में किया जा रहा है। पहली शिफ्ट सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक रही। दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक रहेगी। इलेक्ट्रिक बसें बैरागढ़ डिपो से पुराने भोपाल होते हुए बोर्ड ऑफिस तक ले जाया जा रहा है। यहां से बसें भोपाल रेलवे स्टेशन(प्लेटफॉर्म नंबर-1) और कोलार के बैरागढ़ चीचली रूट तक चलेंगी। ट्रायल के दौरान इन मार्गों पर बस संचालन में आने वाली दिक्कतों और यातायात दबाव का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार भोपाल में अब तक 21 इलेक्ट्रिक बसें पहुंच चुकी हैं। अगले 10 से 12 दिन में 20 और नई बसें आने की उम्मीद है। इसके बाद शहर में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा और बढ़ जाएगा। बसों के संचालन के लिए बैरागढ़ डिपो में चार्जिंग व्यवस्था भी तैयार कर ली गई है।

मंत्री विश्वास सारंग,विधायक भगवानदास सबनानी ने राजकुमार वर्मा का किया सम्मान

स्व. के.एन. प्रधान जी की पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह सम्पन्न

भोपाल (निप्र)। स्वर्गीय के.एन. प्रधान जी की पुण्यतिथि के अवसर पर के.एन. प्रधान स्टेट परिसर में आयोजित समारोह में राजकुमार वर्मा को सम्मानित किया गया।

समारोह में मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि स्व. के.एन. प्रधान जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, राजकुमार वर्मा भाई यशस्वी हो इसी तरह समाज को जोड़ने का काम करते रहे। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, दैनिक क्षितिज किरण ग्रुप डायरेक्टर के.के. सक्सेना, पूर्व पार्षद नरेश जाधव, पूर्व अध्यक्ष चेम्बर ऑफ कामर्स तेजकुल सिंह पाली, ललित जैन, पूर्व न्यायाधीश श्री राजीव सक्सेना, प्रदीप जैन गुट्टू, प्रभात जैन, उमेश राव घोलप, वरिष्ठ पत्रकार विलक्षण सक्सेना, सुभाष अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक सोनी अध्यक्ष सेन समाज ब्रज किशोर वर्मा सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने स्व. के.एन. प्रधान जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके द्वारा समाजहित में किए गए कार्यों को याद किया। सम्मान समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन आयोजित कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में शामिल हुए।

दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026

1.06 करोड़ रुपये से अधिक की नगदी और सामग्री जब्त

भोपाल, (निप्र.)। दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026 को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। अब तक कुल 1 करोड़ 6 लाख 37 हजार 702 रुपये से अधिक मूल्य की नगदी, अवैध शराब एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वॉड टीम), एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) एवं अन्य जांच दलों द्वारा अब तक 85 लाख 82 हजार 400 रुपये की नगद राशि जब्त की गई है। इसके अलावा कार्रवाई के दौरान 15 हजार 556 लीटर शराब भी जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 19 लाख 49 हजार 302 रुपये आंकी गई है। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए निगरानी दलों द्वारा जिले में लगातार जांच एवं कार्रवाई जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा में हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

उत्कृष्ट प्रतिभागियों को क्षेत्रीय एवं रेलवे बोर्ड स्तर की प्रतियोगिता में मिलेगा प्रतिनिधित्व का अवसर

भोपाल (निप्र)। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना (सीआरडब्ल्यूएस), निशातपुरा, भोपाल में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाडे के संरक्षण तथा संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा के निर्देशन में कारखाना में संपन्न हुआ। राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में कारखाना के विभिन्न विभागों एवं शॉपों के रेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के राजभाषा हिंदी, भाषा एवं साहित्य, भारतीय रेल के कार्यकलापों तथा समसामयिक विषयों से संबंधित ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट बौद्धिक क्षमता एवं प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। संपर्क राजभाषा अधिकारी संदीप शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि कारखाना स्तर पर इस प्रकार की हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का यह प्रथम आयोजन है, जिसे प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप अत्यंत व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के लिए तीन अलग-अलग प्रश्नपत्र तैयार किए गए तथा उत्तर देने हेतु ओएमआर आधारित उत्तर-पत्रक का उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि कारखाना स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले

प्रतिभागियों को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में आयोजित क्षेत्रीय स्तर की हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वहीं क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्तर की हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के दौरान प्रशांत नरसिंहपुर, सेवानिवृत्त सहायक कार्य प्रबंधक, सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल ने पर्यवेक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाडे ने अपने संदेश में कहा कि हिंदी प्रतियोगिताओं का एकमात्र उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति स्वस्थ एवं ज्ञानवर्धक प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल कर्मचारियों के ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास में सहायक हैं, बल्कि सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों में स्वस्थ बौद्धिक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं तथा उन्हें अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सोमवार को आदेश जारी किया गया है।जारी आदेश के अनुसार, समिति में अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास/जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल के अलावा भार-साधक सचिव सामान्य प्रशासन, वित्त और विधि एवं विधायी सदस्य होंगे।आदेश के अनुसार विषय से संबंधित भारसाधक सचिव समिति में सदस्य एवं प्रस्तुतकर्ता होंगे। विधायी प्रस्तावों के परीक्षण के लिए भारसाधक सचिव, संसदीय कार्य विभाग, अतिरिक्त रूप से समिति के सदस्य होंगे। नीतिगत मामले एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यकता होने पर एक या अधिक भारसाधक सचिव, विशेष रूप से आमंत्रित किये जा सकेंगे। समिति के कार्यक्षेत्र में विस्तार अनुसार विधायी प्रस्तावों का परीक्षण, नीतिगत मामले तथा अन्य महत्वपूर्ण विषय जो मुख्यमंत्री अथवा मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किए गये हो प्रस्तुत किये जा सकेंगे।

कोटा स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्य की अवधि को 24 जुलाई तक बढ़ाया गया

ब्लॉक अवधि तक भोपाल-जोधपुर, दयोदय एक्सप्रेस एवं बीना-कोटा मेमू रहेगी प्रभावित

भोपाल (ए.)। कोटा जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 के पुनर्विकास कार्य हेतु रेल प्रशासन द्वारा पूर्व में 18 जुलाई तक लिया गया 15 दिवसीय ब्लॉक को अब 6 दिन के लिए बढ़ाकर 24 जुलाई 2026 तक कर दिया गया है। इस दौरान पूर्व जारी अधिसूचना के अनुसार प्लेटफॉर्म परिवर्तन, मार्ग परिवर्तन एवं सोगरिया स्टेशन से संबंधित परिचालनिक व्यवस्थाएं अब 24 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेंगी।

संशोधित अवधि के साथ प्रभावित गाड़ियों का विवरण निम्नानुसार है—

प्लेटफॉर्म परिवर्तन (24 जुलाई 2026 तक जारी)

1. प्लेटफॉर्म नंबर-4 से संचालित होने वाली गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर-अजमेर, 12182 अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस एवं 11603 कोटा-बीना मेमू ट्रेन का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर-3 से संचालन 24 जुलाई 2026 तक किया जाता रहेगा। परिचालनिक आवश्यकता के अनुसार कुछ गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है।

परिवर्तित मार्ग से संचालित गाड़ियाँ-

1.गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस अब 4 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक (21 फेरे) सोगरिया (आगमन 02:10 बजे, प्रस्थान 02:20 बजे)-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी।

2.गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस अब 4 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक (21 फेरे) गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया (आगमन 23:30 बजे, प्रस्थान 23:40 बजे) होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी।

सोगरिया स्टेशन पर समापन करने वाली गाड़ियाँ

1.गाड़ी संख्या 61634 बीना-कोटा मेमू अब 4 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक (21 फेरे) सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।

सोगरिया स्टेशन से प्रारंभ होने वाली गाड़ी

1.गाड़ी संख्या 61633कोटा-बीना मेमू अब 4 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक (21 फेरे) कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन से 15:20 बजे प्रस्थान करेगी।

भोपाल में नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई जारी, कई क्षेत्रों से ठेले-काउंटर और अवैध कब्जे हटाए

भोपाल(निप्र)। भोपाल नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के विरुद्ध सोमवार को व्यापक अभियान चलाते हुए विभिन्न क्षेत्रों से अवैध कब्जे हटाए। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माण रुकवाने के साथ ही ठेले, काउंटर, स्टैंड बोर्ड सहित अन्य सामग्री जब्त की गई।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्तों ने सीएम हेल्पलाइन, कॉल सेंटर और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण

के साथ नियमित अभियान के तहत कटारा हिल्स, कोलार, प्रियंका नगर, आम्रविहार फेस-3, फाइन एवेन्यू फेस-1, गुड शेफर्ड कॉलोनी, दानिश कुंज, डी-मार्ट क्षेत्र, ललिता नगर, सर्वधर्म, मंदाकिनी चौराहा, नेहरू नगर, पीएंडटी चौराहा, कोटरा सुल्तानाबाद, भदभदा चौराहा, सूरज नगर, गौरेगांव, लिंक रोड क्रमांक-1, 2 और 3, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, एमपी नगर, जहांगीराबाद, कमला पार्क, रेतघाट, रविंद्र भवन, अयोध्या बायपास, भानपुर, सिंधी कॉलोनी, भोपाल गेट, गोलघर, हमीदिया गेट, स्टेट बैंक चौराहा, ईदगाह हिल्स, सेमरा एकतापुरी, अशोका गार्डन और पुष्पा नगर सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की।अभियान के दौरान कटारा हिल्स में एक मकान का अवैध निर्माण कार्य रुकवाया गया।

गुरमखेड़ी स्टेशन पर कार्य के चलते भोपाल मंडल होकर संचालित कुछ ट्रेनों का अस्थायी ठहराव निरस्त

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुरक्षा, परिचालन क्षमता में वृद्धि तथा रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में गुरमखेड़ी रेलवे स्टेशन पर कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए आवश्यक ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक के कारण गुरमखेड़ी स्टेशन पर भोपाल मंडल होकर संचालित कुछ यात्री ट्रेनों के अस्थायी ठहराव को निर्धारित अवधि के लिए निरस्त किया गया है।

गुरमखेड़ी स्टेशन पर यह कार्य 24 जुलाई 2026 से 30 जुलाई 2026 तक (7 दिवस) किया जाएगा। इस दौरान निम्नलिखित ट्रेनों का अस्थायी रूप से गुरमखेड़ी (G M D) स्टेशन पर जिन ट्रेनों का ठहराव निरस्त रहेगा, उनका विवरण इस प्रकार है—

1. गाड़ी संख्या 11272 भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 23 जुलाई 2026 से 25 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

2. गाड़ी संख्या 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 23 जुलाई 2026 से 25 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

3. गाड़ी संख्या 61618 कटनी-इटारसी मेमू स्पेशल का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 24 जुलाई 2026 से 26 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

4. गाड़ी संख्या 19014 कटनी-भुसावल एक्सप्रेस का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 24 जुलाई 2026 से 26 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

5. गाड़ी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल एक्सप्रेस का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 27 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

6. गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 27 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

7. गाड़ी संख्या 61617 इटारसी-कटनी मेमू स्पेशल का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 27 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा।

8. गाड़ी संख्या 19013 भुसावल-कटनी एक्सप्रेस का गुरमखेड़ी स्टेशन पर ठहराव 27 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक अस्थायी रूप से निरस्त रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि उपरोक्त अवधि में यात्रा की योजना बनाते समय इन अस्थायी परिवर्तनों का ध्यान रखें तथा यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की अद्यतन जानकारी एनटीईएस अथवा रेलवे के अधिकृत माध्यमों से प्राप्त कर लें। भोपाल मंडल यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा यह कार्य पूर्ण होने के पश्चात गुरमखेड़ी स्टेशन पर रेल परिचालन अधिक सुरक्षित, सुचारु एवं सुविधाजनक होगा।

निजी सुरक्षा एजेंसियों के लाइसेंस और चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया में तेजी के निर्देश

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में निजी सुरक्षा एजेंसियों के लाइसेंस एवं नवीनीकरण से संबंधित आवेदनों के त्वरित निराकरण तथा चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाने के लिए गृह विभाग ने पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गृह विभाग की सचिव कृष्णावेणी देसावतु ने सोमवार को बताया कि प्राइवेट सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत नए लाइसेंस के लिए प्राप्त आवेदनों का निराकरण निर्धारित 60 दिवस की समय-सीमा में तथा लाइसेंस नवीनीकरण के आवेदनों का निराकरण 30 दिवस की समय-सीमा में किया जाना है। इसी प्रकार, जांच उपरांत प्रतिवेदन 15 दिवस के भीतर संबंधित कार्यालय को भेजे जाने के निर्देश हैं।उन्होंने बताया कि निजी सुरक्षा एजेंसियों से संबंधित आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब को रोकने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गृह विभाग द्वारा की गई समीक्षा में कुछ जिलों में जांच प्रतिवेदन लंबे समय से लंबित पाए गए थे। इस पर संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा भविष्य में समय-सीमा का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी सुरक्षा एजेंसियों के आवेदकों के चरित्र एवं कार्यालय सत्यापन की प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित किया गया है। संबंधित एजेंसी के कार्यालय का भौतिक सत्यापन कराए जाने तथा आवेदक के चरित्र संबंधी सत्यापन की जांच सीसीटीएनएस एवं आईसीजेएस के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की बड़ी पहल : जनसुनवाई में सुलझे 28 गंभीर मामले

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और पारिवारिक विवादों के निपटारे की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए भोपाल में एक वृहद जनसुनवाई का आयोजन किया। आयोग के समक्ष आए कुल 28 गंभीर मामलों की सुनवाई करते हुए कई परिवारों को टूटने से बचाया गया, तो वहीं कुछ जटिल मामलों में कड़े निर्देश भी जारी किए गए। इस उच्च स्तरीय जनसुनवाई में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक एवं सचिव सुरेश तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

घरेलू हिंसा से लेकर साइबर अपराधों पर त्वरित कानूनी कार्यवाही के दिये निर्देश

जनसुनवाई के दौरान आयोग के सामने घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर प्रताड़ना, गंभीर पारिवारिक विवाद और वर्तमान समय में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों से जुड़े मामले प्रमुखता से आए। आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें और पक्ष अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुने। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश और त्वरित कानूनी कार्यवाही के आदेश दिए गए। इस जनसुनवाई में आयोग का मानवीय और मार्गदर्शक चेहरा भी सामने आया। एक पारिवारिक विवाद के मामले में, जहां आवेदिका ने अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, आयोग की बेंच ने दोनों पक्षों की गहन काउंसलिंग की। विस्तृत चर्चा और समझाइश के बाद पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया और महिला ने खुशी-खुशी अपनी शिकायत वापस ले ली। वहीं एक अन्य मामले में, जहां पत्नी पति के साथ रहने को तैयार थी लेकिन पति विभिन्न आरोप लगाकर मना कर रहा था, आयोग ने दोनों को आपसी संवाद के जरिए मतभेद सुलझाने की सलाह देते हुए मामले में उचित कानूनी रुख अपनाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एक ऐसा अनोखा और गंभीर मामला भी सामने आया, जिसने सभी को चौंका दिया। एक पारिवारिक विवाद में शिकायतकर्ता (पत्नी) खुद अनुपस्थित रही, जबकि उसका पति आयोग के समक्ष पेश हुआ। पति ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि उनकी शादी को 18 साल हो चुके हैं, लेकिन जब से उसकी पत्नी शासकीय सेवा में अधिकारी के पद पर नियुक्त हुई है, उसने साथ रहने से इनकार कर दिया है।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अतिरिक्त बैलेट यूनिट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

दतिया (ए.)। दतिया विधानसभा उप निर्वाचन 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सामान्य प्रेक्षक विजय भारती एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखड़े की उपस्थिति में आज सोमवार को न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तर पर अतिरिक्त बैलेट यूनिट का प्रथम अतिरिक्त रेंडमाइजेशन किया गया। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई। इस दौरान निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से अतिरिक्त बैलेट यूनिट का रेंडमाइजेशन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारियों ने रेंडमाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए निर्वाचन की तैयारियों की भी समीक्षा की।

जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण, गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के पालन के दिए निर्देश

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सोमवार को जिला चिकित्सालय झाबुआ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों, उपचार कक्षों एवं अस्पताल में संचालित सुविधाओं का अवलोकन करते हुए मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण की शुरुआत कलेक्टर ने सिकल सेल एवं एनीमिया से पीड़ित भर्ती मरीजों से मुलाकात कर की। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से उपचार, दवाइयों की उपलब्धता तथा अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि सिकल सेल एवं एनीमिया से पीड़ित मरीजों का उपचार पूरी संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ किया जाए तथा आवश्यक दवाइयों एवं जांचों की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। भर्ती वार्ड में अत्यधिक संख्या में विजिटर्स की मौजूदगी पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विजिटर्स के प्रवेश का समय निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक भीड़ से मरीजों के उपचार एवं संक्रमण नियंत्रण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए निर्धारित समय पर ही परिजनों को मरीजों से मिलने की अनुमति दी जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रसीद काउंटर, दवा वितरण काउंटर, आयुष्मान कार्ड सेंटर, ओपीडी, वृद्धजन वार्ड, कैंसर वार्ड, शासकीय आयुष विंग एवं पंचकर्म थेरेपी सेंटर तथा नेत्र वार्ड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक स्थान पर व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए मरीजों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए सभी काउंटरों पर कार्य सुचारू एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड सेंटर पर पात्र हितग्राहियों के कार्ड शीघ्रता से बनाए जाने तथा अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन नवीन भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं समय-सीमा की जानकारी लेते हुए कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माणाधीन अस्पताल में प्रवेश एवं निषेध द्वारा की उचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए।

ग्वालियर व्यापार मेले के सावन मेले की तैयारियां तेज़, 111 दुकानें एवं झूलों का आवंटन पूर्ण

फिटनेस प्रमाणन के बाद ही संचालित होंगे झूले

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित किए जा रहे सावन मेले की तैयारियां तेजी से जारी हैं। मेले के लिए अब तक 111 दुकानों एवं झूलों का आवंटन किया जा चुका है। आवंटित दुकानों और झूलों की स्थापना का कार्य भी प्रारंभ हो गया है, जिससे मेले का स्वरूप धीरे-धीरे आकार लेने लगा है। मेला प्राधिकरण ने सभी झूला संचालकों को निर्देशित किया है कि वे फिटनेस प्रमाणन प्राप्त करने के बाद ही झूलों का संचालन प्रारंभ करें। यह व्यवस्था मेले में आने वाले नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुनिश्चित की गई है। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला के सचिव श्री सुनील त्रिपाठी ने बताया कि जिन दुकानदारों को दुकानें आवंटित की जा चुकी हैं, उनसे आग्रह किया गया है कि वे बिना विलंब अपनी दुकानें स्थापित कर व्यापार प्रारंभ करें। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई आवंटी निर्धारित समय में दुकान स्थापित नहीं करता है, तो उसके दुकान आवंटन को निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली समस्त जिम्मेदारी संबंधित आवंटी की स्वयं की होगी। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण ने सभी आवंटियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समयबद्ध रूप से आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने तथा मेले के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है।

शहर में शराब के अवैध निर्माण, भण्डारण व विक्रय के खिलाफ विशेष मुहिम जारी

कलेक्टर के निर्देश पर गए आबकारी विभाग के दल ने विभिन्न बस्तियों में किया निरीक्षण

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर शहर सहित सम्पूर्ण जिले में शराब के अवैध निर्माण, भण्डारण एवं विक्रय के खिलाफ कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर अभियान बतौर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लगातार कार्रवाई करने के निर्देश आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। इस कड़ी में सोमवार को आबकारी विभाग के दल ने ग्वालियर शहर में खासतौर पर स्कूलों के समीप की बस्तियों में निरीक्षण अभियान चलाया। आबकारी विभाग के दल द्वारा शहर में जिन स्कूलों के समीप की बस्तियों में विशेष जांच की गई, उनमें ड्रीम इंडिया स्कूल, संस्कार वैली स्कूल, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, नोबल माइंड इंटरनेशनल स्कूल, सांदीपनि पटेल स्कूल व आईटीएम यूनिवर्सिटी के नजदीक स्थित बस्तियां शामिल हैं। इसके अलावा पटेल ढाबा सिरोल रोड सहित शहर की अन्य बस्तियों के संदिग्ध घरों में तलाशी ली गई। इस दौरान जहां-जहां शराब से संबंधित अवैध गतिविधियां पाई गईं उनसे संबंधित आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए।

कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण, लापरवाही पर सचिव के निलंबन के दिए निर्देश

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सोमवार को उप स्वास्थ्य केंद्र रंगपुरा एवं ग्राम पंचायत देवझिरी पण्डा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप स्वास्थ्य केंद्र रंगपुरा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी से केंद्र पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत देवझिरी पण्डा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत क्षेत्र में अवैध निर्माण पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा पंचायत सचिव की कार्यशैली पर गंभीर असंतोष जताया। जानकारी लेने पर पता चला कि सचिव द्वारा 1 जुलाई को पदभार ग्रहण करने के बाद भी पंचायत में किसी भी प्रकार का कार्य प्रभावी रूप से नहीं किया गया है।

डाइट दतिया में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत यूथ चला बूथ की ओर विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दतिया (ए.)। भारत निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत आज 20 जुलाई 2026 सोमवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), दतिया में यूथ चला बूथ की ओर विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दतिया सुश्री सुरभि जैन रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत विनीत त्रिपाठी तथा सहायक संचालक शिक्षा सुश्री मुस्कान दिनकर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट दतिया के प्राचार्य यू.एन. मिश्रा ने की। सभी अतिथियों ने स्वीप कार्यक्रम के उद्देश्यों, मतदाता जागरूकता तथा लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका पर अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डाइट में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर अपने प्रभावशाली विचार व्यक्त किए। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से युवाओं एवं प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं से आगामी निर्वाचन में बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की तथा अधिक से अधिक मतदान कर लोकतंत्र के इस पावन पर्व को सफल बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वीप टीम के सदस्य ब्रज मोहन दुबे, श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव, श्रीमती रेखा शर्मा, राजेश कतरोलिया, जय राम पटवा, शैलेन्द्र खरे तथा अवधेश शर्मा सहित डाइट परिवार के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

ईवी सेक्टर में हुंडई की बड़ी पहल, देशभर में 30,000 चार्जिंग पॉइंट्स का नेटवर्क

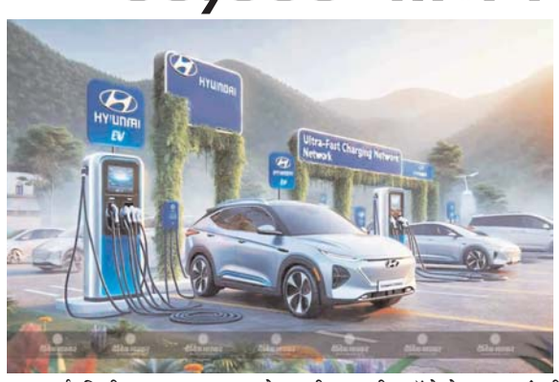

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने सोमवार को घोषणा की कि अब इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उपयोगकर्ता उसके माई हुंडई ऐप के माध्यम से देशभर में 30,000 से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स तक पहुंच बना सकेंगे। इसके साथ ही, एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भारत के सबसे बड़े एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क में से एक का लाभ ग्राहकों को मिलेगा।

कंपनी ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म प्रमुख चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) और सेवा प्रदाताओं के सहयोग से विकसित किया गया है तथा यह सभी ब्रांडों के इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए उपलब्ध है।

नजदीकी चार्जिंग स्टेशन खोजने के अलावा, माई हुंडई ऐप के जरिए उपयोगकर्ता चार्जिंग स्टेशन तक नेविगेट कर सकते हैं, पहले से चार्जिंग स्लॉट बुक कर सकते हैं और एकीकृत इंटरफेस के माध्यम से डिजिटल भुगतान भी कर सकते हैं।

एचएमआईएल ने कहा कि यह एकीकृत नेटवर्क देशभर में औसतन 25 किलोमीटर के दायरे में चार्जिंग सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराता है। इसमें दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर, मुंबई-पुणे-बेंगलुरु, मुंबई-रत्नागिरी-गोवा, चेन्नई-वेल्लोर-बेंगलुरु और हैदराबाद-कर्नूल-बेंगलुरु जैसे प्रमुख राजमार्ग कॉरिडोर भी शामिल हैं।

एचएमआईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में चार्जिंग अवसंरचना एक महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने कहा, माई हुंडई ऐप पर 30,000 से अधिक चार्जिंग प्वाइंट्स को एकीकृत कर हम ईवी उपयोगकर्ताओं को एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत के सबसे बड़े चार्जिंग नेटवर्क में से एक तक पहुंच उपलब्ध करा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्लेटफॉर्म सभी ब्रांडों के ईवी मालिकों के लिए खुला है, जो भारत के व्यापक इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम के विकास के प्रति एचएमआईएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

इसके अलावा, कंपनी ने वर्ष 2030 तक अपने स्वामित्व वाले डीसी फास्ट पब्लिक चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करने की योजना की भी घोषणा की। इसके तहत मौजूदा 183 स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर 600 की जाएगी।

देश के नौ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में 5.0 फीसदी पर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) के उत्पादन की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच माह के उच्चतम स्तर 5 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले महीने मई में यह दर 3.2 फीसदी रही थी। पिछले साल जून में बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि 1.1 फीसदी थी।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही है। देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) के आंकड़े 2011-12 के स्थान पर 2022-23 को आधार वर्ष मानकर जारी किए गए हैं। सरकार ने सूचकांक में लौह अयस्क को शामिल किया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या अब बढ़कर नौ हो गई है। आंकड़ों के अनुसार जून महीने में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। सीमेंट और बिजली के उत्पादन में 9.8-9.8 फीसदी तथा नई श्रृंखला के तहत सूचकांक में शामिल किए गए लौह अयस्क के उत्पादन में 43.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक नए वर्गीकरण में लौह अयस्क को पहली बार शामिल किया गया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है। आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में इन प्रमुख क्षेत्रों का उत्पादन 3.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह वृद्धि एक फीसदी रही थी।

भारत का जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर चमका, जून में निर्यात 26 फीसदी से ज्यादा बढ़ा

नई दिल्ली ,(आरएनएस),। भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात जून में सालाना आधार पर 26.5 प्रतिशत बढ़कर 2.21 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी इंडस्ट्री डेटा में दी गई।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में निर्यात बढ़कर 6.61 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 0.04 प्रतिशत अधिक है।

जून 2026 में कुल आयात 10.06 प्रतिशत बढ़कर 1.72 अरब डॉलर आयात रहा, जबकि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसमें 5.9 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4.97 अरब डॉलर रह गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात में यह सकारात्मक बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि यह सेक्टर लंबे समय से वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पिछली कुछ तिमाही में निर्यात में भी कमी आई थी।जून में कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 84.67 करोड़ डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 77.88 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अप्रैल-जून की अवधि में इस कैटेगरी का निर्यात 4.1 प्रतिशत घटकर 2.72 करोड़ डॉलर रह गया। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.9 प्रतिशत बढ़कर 39.8 लाख कैरेट हो गया। इस अवधि में प्रति कैरेट औसत मूल्य 681.7 डॉलर रहा। यह रुझान अंतरराष्ट्रीय बाजार में हीरे के आभूषणों की मांग में फिर से तेजी आने का संकेत देता है। साथ ही, आने वाले हॉलिडे सीजन में बिक्री बेहतर रहने की उम्मीद और व्यापार के लिए घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) की तुलना में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) को अधिक प्राथमिकता मिलने की ओर भी इशारा करता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि यह सकारात्मक रुझान आगे अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में और मजबूत हो सकता है।जून 2026 में अपरिष्कृत हीरों का सकल आयात 70.03 करोड़ डॉलर रहा, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह सालाना आधार पर 32.4 प्रतिशत घट गया।

अब एलपीजी की होगी छुट्टी और एथेनॉल पर बनेगा खाना, सरकार ला रही सब्सिडी स्कीम

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में केंद्र सरकार एक नई पहल पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ऐसी नीति तैयार कर रहा है जिसके तहत घरेलू रसोई में एथेनॉल आधारित कुकिंग सिस्टम को बढ़ावा दिया जा सकता है। यदि योजना को मंजूरी मिलती है, तो आने वाले वर्षों में एथेनॉल एलपीजी और पीएनजी के पूरक ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित नीति में एथेनॉल की उपलब्धता बढ़ाने, वितरण व्यवस्था विकसित करने और उपभोक्ताओं को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने जैसे प्रावधान शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि सरकार इस दिशा में विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि एथेनॉल आधारित कुकिंग सिस्टम अपनाने से देश का आयातित एलपीजी पर दबाव कम हो सकता है। साथ ही, गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से बनने वाले एथेनॉल के उपयोग

से किसानों और जैव-ईंधन उद्योग को भी लाभ मिलने की संभावना है।

ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, भारत की एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है और घरेलू मांग से अधिक उत्पादन होने की स्थिति में इसका उपयोग नए क्षेत्रों में किया जा सकता है। सरकार पहले ही परिवहन क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा दे रही है और अब घरेलू उपयोग के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियां एथेनॉल आधारित कुकिंग स्टोव और उससे जुड़े सुरक्षा मानकों पर परीक्षण और अनुसंधान कर रही हैं। भविष्य में यदि यह योजना लागू होती है तो पेट्रोल पंपों या अन्य अधिकृत केंद्रों के माध्यम से एथेनॉल की खुदरा उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी विकसित की जा सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से भी इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वैश्विक बाजार में ईंधन की कीमतों और आपूर्ति में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार घरेलू स्तर पर वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि, मंत्रालय की ओर से अभी तक इस प्रस्तावित नीति की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही इसके स्वरूप, समयसीमा और लागू करने की प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

भारत में बढ़ेगा एनआरआई डिपॉजिट का प्रवाह, वर्ष 27 में जमा वृद्धि 15% तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में गैर-निवासी भारतीय (एनआरआई) और एफसीएनआर-बी इनफ्लो से बैंक डिपॉजिट की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 15 प्रतिशत पहुंच सकती है। हालांकि, इस दौरान क्रेडिट वृद्धि दर भी मजबूत रहेगी। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि अभी तक एफसीएनआर-बी डिपॉजिट के जरिए अब तक करीब 13-14 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जिससे चालू वित्त वर्ष में देश के बैंकों का डिपॉजिट आधार मजबूत हुआ है।हालांकि, इस दौरान की वित्त वर्ष 23 से जारी ट्रेंड के मुताबिक क्रेडिट वृद्धि दर डिपॉजिट से अधिक रहेगी।30 जून को खत्म हुए पखवाड़े में, बैंक क्रेडिट में सालाना आधार पर 18.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल डिपॉजिट राशि में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे क्रेडिट-डिपॉजिट का अंतर बढ़कर 5.3 प्रतिशत अंक हो गया।

विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता घटाने की तैयारी, भारत तेज करेगा डीप वाटर पोर्ट परियोजनाएं

नई दिल्ली (आरएनएस),। भारत प्रमुख बंदरगाहों के अपग्रेड और नए गहरे समुद्री टर्मिनलों के निर्माण में तेजी ला रहा है, ताकि वर्तमान में कोलंबो और सिंगापुर के जरिए होने वाले ट्रांसशिपमेंट यातायात को अपने यहां आकर्षित किया जा सके। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई। इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार,

सरकार चेन्नई के निकट एन्नोर स्थित कामराजर बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप बंदरगाह और कच्छ के दीनदयाल बंदरगाह सहित कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट (जल की गहराई) को 14 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर कर रही है, ताकि वे बड़े मदर वेसल (मुख्य मालवाहक जहाज) को संभाल सकें।दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज (मदर वेसल) एमएससी इरिना के केरल के विझिंजम बंदरगाह पहुंचने को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली सरकारों ने भारत के प्रमुख बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित करने की अनदेखी की। ऐसे हब इसलिए जरूरी हैं क्योंकि यहां 14,000 से 24,000 टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता वाले मदर वेसल ठहर सकते हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

गंभीर कमियां उजागर

संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां उजागर होने लगती हैं।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में रोजगार की स्थिति पर राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) की ताजा रिपोर्ट चमकती हेडलाइन के लिए मसाला तो देती है, लेकिन उसके अंदर उतरते ही कड़वी हकीकतों से सामना होने लगता है। सिर्फ सार-संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में महिलाओं सहित कामकाजी उम्र के सभी व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां जाहिर होने लगती हैं। मसलन, यह उत्साह से बताया गया है कि बड़े शहरों में 55 फीसदी से अधिक श्रमिक अब नियमित वेतनभोगी हैं। मगर रिपोर्ट में यह तथ्य भी मौजूद है कि इनमें बहुत बड़ा हिस्सा वैसी नियमित नौकरियों का है, जिनमें पीएफ, पेंशन, सवैतनिक अवकाश, या स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षाएं नहीं मिलतीं। गिग कर्मियों की बढ़ती संख्या को रोजगार वृद्धि बताया गया है, जबकि ऐसे कर्मियों को किसी तरह के श्रम अधिकार या जॉब सिक्योरिटी हासिल नहीं हैं।

महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ कर 27.2 फीसदी होने का दावा भी विवादास्पद है, क्योंकि खुद रिपोर्ट मानती है कि कामकाजी महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा आज भी कम या शून्य वेतन वाले घरेलू कार्यों या असंगठित मैन्युफैक्चरिंग में लगा हुआ है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काफी कम वेतन मिलता है, यह स्वीकार किया गया है। बेरोजगारी दर गिर कर 4.9 प्रतिशत रह जाने की बात कही गई है, लेकिन अर्ध-रोजगार या योग्यता से कम दर्जे का काम मिलने के व्यापक चलन पर रिपोर्ट चुप है। दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत यह है कि लाखों पोस्ट-ग्रेजुएट और इंजीनियरिंग डिग्री धारक युवा फिलहाल महानगरों में क्लर्क, डिलीवरी बॉय या डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी करने को मजबूर हैं। फिर याद रखना चाहिए कि ये रिपोर्ट मिलियन-प्लस शहरों के बारे में है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की कहानी इसमें शामिल नहीं है, जहां महानगरों की तुलना में काफी कम कमाई होती है। तो एक बार फिर वही कहानी है। रोजगार के मोर्चे पर नीतिगत विफलता को छिपाने के लिए एक रिपोर्ट को इस इस तरह लिखा गया है, जिससे लोग 'फील-गुड' महसूस करें।

सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

-विनोद कुमार विक्की/

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है। 18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिज़ाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाज़ार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाज़े खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं।

बदलते हिमालय के बीच बदलनी होगी तीर्थयात्रा की संस्कृति

अमरनाथ की राह में खड़ा सबसे बड़ा प्रश्न — प्रकृति या हमारी जिद ?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज़ प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता। अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा

रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है। सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाजुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है—ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं। समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए। तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीर्थयात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है। इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है।

अमेरिका ने दुनिया को अपने सपनों में गूंथा

हरिशंकर व्यास

अमेरिका ढाई सौ वर्ष का हुआ। इस शुक्रवार-शनिवार उसके जश्न की कुछ झलकियां टीवी पर देखी। एक परिचित धुन कानों में पड़ी—डोंट स्टॉप बिलीविन बरसों पुराना यह गीत मेरी पचास वर्षों की स्मृतियों को खोल गया। गीत सुन मुझे ब्रूस स्प्रिंगस्टीन की आवाज़ भी याद हो आई। ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने बॉर्न टू रन और बाद में बॉर्न इन द यू.एस.ए. को जिस अंदाज में गया, वह गजब ही था। अचानक समझ आया कि पिछले पचास वर्षों में मैंने अमेरिका को जितना समझा, पढ़ा, और उस पर जितना लिखा उससे कहीं अधिक तो उसके गीतों की जुबानी अमेरिका की यात्रा है।

संयोग है मैं पचास साल से गवाह हूं। मैं जब छोटे से कस्बे भीलवाड़ा से निकलकर दिल्ली के जेएनयू में पहुँचा था, तब मेरे भीतर भी एक दौड़ शुरू हुई थी। दुनिया को जानने की, समझने की, पढ़ने की और अपनी टूटी-फूटी हिंदी में उसे लिखने की। वह आपातकाल का समय था। मेरे लिए जेएनयू की लाइब्रेरी कौतुकता के मेरे डीएनए की मानों पूर्ति थी। विदेशी पत्र-पत्रिकाएं, अखबार, विश्लेषण—जो हाथ लगा, पढ़ता था। उसी से संयोग बना और कुछ ही महिनों में मैंने वैश्विक घटनाओं पर लिखना शुरू किया। 16 दिसंबर 1976 को दैनिक हिंदुस्तान में पहला लेख छपा, वह भी अंतरराष्ट्रीय विषय पर। तब भारत में आपातकाल था। इसलिए हिंदी अखबारों को दुनिया पर लिखा चाहिए था और सुरक्षित भी था। इसलिए सोवियत संघ, अमेरिका, यूरोप और शीतयुद्ध की राजनीति मेरा शगल बनी। कुछ ही महीनों में दिल्ली प्रेस की पत्रिकाओं से लेकर राजेंद्र माथुर के नेतृत्व वाले नई दुनिया में परिक्रमा कॉलम लिखने का मेरा सिलसिला बना, पत्रकारिता की भूमिका बनी।

उन दिनों चालीस, साठ और पचहत्तर रुपए प्रति लेख मिलते थे। आवश्यकता से अधिक। नतीजतन कनॉट प्लेस की सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी से टाइम, द इकोनॉमिस्ट, हिम्मत, ओपिनियन, क्रेस्ट जैसी पत्रिकाएं खरीदता। बगल के प्रिया और चाणक्य सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्में देखता। दुनिया को पढ़ने के साथ-साथ देखने की आदत भी बनी।

वह अमेरिकी राष्ट्रपति जेराल्ड फोर्ड और सोवियत नेता ब्रेज़नेव का समय था। अब ट्रंप और पुतिन का है। 1975-76 का अमेरिका आज भी मेरी स्मृति में बहुत साफ़ है। सैगॉन में अमेरिकी दूतावास की छत से हेलीकॉप्टरों के उड़ान भरने की तब तस्वीरें थीं। राष्ट्रपति निक्सन और वाटरगेट कांड की गूंज थी। 1976 में अमेरिका के दो सौ वर्ष पूरे हुए। उत्सव हुआ, मगर अमेरिका में युद्ध हारने की पीड़ा थी, गहरी निराशा थी। सत्ता पर अविश्वास था और भविष्य को लेकर अनिश्चितता।

उसी दौरान ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का संभवतः पहला बड़ा गीत बॉर्न टू रन सुपरहिट हुआ। वह तब एक पीढ़ी की बेचैनी की आवाज़ था, जो कह रही थी—यहां दम घुट रहा है, कहीं निकल चलो। छोटे शहर से बाहर निकलो। सीमाएं तोड़ो। अपना भविष्य खुद बनाओ। स्प्रिंगस्टीन अमेरिकी मजदूर, छोटे शहरों और अमेरिकी सपने की प्रामाणिक आवाज़ बन गए। वह आवाज़, जो रोनाल्ड रीगन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता को ठेंगा दिखाती रही है। क्योंकि उनकी आवाज़ में अमेरिकी सत्ता नहीं, बल्कि व्यक्ति और नागरिक के सपनों का अमेरिका है। वह अमेरिका, जहां व्यक्ति अपनी मेहनत और प्रतिभा से अपना भविष्य गढ़ता है। खुद अवसर खोजता है, मेहनत से अपने सपनों को साकार बनाता है। फिर 1981 में एक गीत आया -डोंट स्टॉप बिलीविन। जर्नी बैंड के गायक स्टीव पेरी की आवाज़ के इस गीत ने 1981 अमेरिका को ऐसा बांधा कि आज भी वह सर्वाधिक लोकप्रिय है। इसकी शुरुआती पंक्तियां—एक छोटे कस्बे की लड़कीज़ और एक छोटे कस्बे का लड़काज़—सीधे अमेरिकी मानस को छू गई। साधारण परिवार, छोटे शहर पर बड़े सपने।

गीत का संदेश जो टूक यह कि —उम्मीद मत छोड़ो। विश्वास बनाए रखो। मतलब अमेरिका सपनों के लिए, विश्वास के साथ है।तब से अब तक आर्थिक मंदी हो, व्यक्तिगत संकट हो, खेल का मैदान हो या राष्ट्रीय उत्सव—अमेरिका में गीत हर जगह गाया जाता है। ढाई सौवें स्थापना दिवस के समारोह में जब हजारों अमेरिकी इसके अंतिम कोरस तक एक साथ पहुंचे, तो सचमुच लगा कि वे गीत नहीं मात्र नहीं गा रहे थे वे निज विश्वास में देश को अभिव्यक्त कर रहे हैं।

मन में प्रश्न उठा। क्या दुनिया के किसी और देश में ऐसे गीत है, जिसे पूरा समाज अपने साझा सपने की तरह गाता हो? रूस, चीन, ब्रिटेन, पाकिस्तान या भारत—हर देश के पास अपने राष्ट्रगान है, देशभक्ति के गीत हैं, युद्ध के गीत हैं, क्रांति के गीत हैं। लेकिन क्या ऐसे गीत है, जो साधारण नागरिक से इतना भर कहे—सपने देखो, हार मत मानो, आगे बढ़ो, विश्वास रखों?

यही अमेरिका और बाकी दुनिया के बीच का सबसे बड़ा अंतर है। अधिकांश देशों ने अपने नागरिकों को इतिहास, धर्म, राजसत्ता, जातीय गौरव या राष्ट्रीय अस्मिता के आधार पर जोड़ा या बनाया। मगर अमेरिका ने वेयक्तित, निज सपनों से देश गढ़ा। अमेरिका में जो रहा है, जो हुआ या होगा, उसमें निज मनुष्य के सपनों की पहली भूमिका है फिर संविधान, प्रशासन, राष्ट्रपति की है। डोनाल्ड ट्रंप हों या इलॉन मस्क, कमला हैरिस हों या सुंदर पिचाई—सबकी कहानियों का आरंभ एक ही जगह से होता है—वह स्वतंत्र मनुष्य के सपने से है।

इसीलिए मुझे लगता है कि अमेरिका को समझना हो तो उसके राष्ट्रपतियों से पहले उसके गीतों को सुने। साफ जाहिर होगा कि वे अमेरिका कैसे सोचता है, कैसे टूटता है, कैसे संभलता है और क्यों हर संकट के बाद भी अपने भविष्य पर विश्वास बनाए रखता है।

अमेरिका का राष्ट्रगान द स्टार स्पैंगल्ड बैनर है। इसे 1814 में फ्रांसिस स्कॉट की ने बाल्टीमोर के युद्ध के दौरान लिखा था। इसकी सबसे प्रसिद्ध पंक्ति है—ओ'अर द लैंड ऑफ द फ्री एंड द होम ऑफ द ब्रेव—यानी स्वतंत्र लोगों की भूमि और वीरों का घर। यह गीत युद्ध के बीच झंडे के बच जाने का गीत है। गणराज्य की रक्षा का गीत है। लेकिन अमेरिका और अमेरिकियों का सपना राष्ट्रगान में नहीं बसता। वह लोकप्रिय गीतों में सांस लेता है। यदि राष्ट्रगान बताता है कि अमेरिका कैसे बचा, तो उसके गीत बताते हैं कि अमेरिका किस विश्वास पर खड़ा हुआ था, खड़ा है और खड़ा रहेगा। इसलिए अमेरिका भूगोल नहीं, बल्कि एक मानसिक अवस्था है। वह अपने नागरिकों से पहले यह नहीं पूछता कि तुम कौन हो, किस धर्म, किस जाति या किस वंश से आए हो। वह उनके सपने देखता है, सपनों को मौका देता है। इसलिए दुनिया भर के लोग ढाई सौ वर्षों से अपने सपने लेकर मुख्यतः अमेरिका की ओर ही भागे हैं। बिरले ही मनुष्य होंगे जो सपने लेकर चीन, रूस, भारत या किसी और देश में जाएं।

लोगों के लिए अमेरिका कमाई से पहले सपनों को साकार बनाने का मुकाम है। दुनिया के बाकी देश अपने को मदरलैंड, फादरलैंड या धर्मराष्ट्र कहते हैं, मगर अमेरिका अकेला ऐसा देश है, जहां सपना पहले है, बाकी सब बाद में। पहले सपना, फिर पूंजीवाद। कोलंबस जब समुद्र में निकला था, तब उसके पास कोई निश्चित नक्शा नहीं था। उसके पास केवल विश्वास था कि क्षितिज के पार कुछ नया मिलेगा। उसी खोज की मानसिकता ने बाद में पूरे अमेरिकी महाद्वीप का चरित्र गढ़ा। अमेरिका का जन्म किसी नस्ल विशेष, भाषा या धर्म से नहीं हुआ। उसका जन्म एक संभावना से हुआ जिसका संबल विश्वास था।

तभी अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात हथियार से ज्यादा पूरी पृथ्वी को सपनों की और दौड़ाने वाला देश है। अमेरिकी संविधान का मूल भाव है कि यदि तुममें प्रतिभा है, जोखिम उठाने का साहस है और मेहनत करने की इच्छा है, तो भविष्य तुम्हारा हो सकता है। यही उसका मूल सूत्र और सांस्कृतिक ताकत है।

अमेरिका में राष्ट्रपति, सरकारें बदलती रहती हैं। नीतियां बदलती रहती हैं। कभी उदारवाद, कभी अनुदारवाद, कभी राष्ट्रवाद। कभी निक्सन और रीगन हैं, तो कभी ओबामा, कभी ट्रंप। लेकिन इन सबके बीच एक चीज़ लगातार है और वह यह विश्वास है कि हम कर सकते हैं, फिर महान बन सकते हैं, दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं और एक दिन चंद्रमा या मंगल पर भी बस सकते हैं। वेयक्तिक सपने से कोई कब अमेरिका पहुंचता है और कैसे वही एक सपना अमेरिकी स्वप्न का रॉकेट बनता है और फिर वह दुनिया से लेकर अंतरिक्ष के मिशन में खरबपति और ब्रह्मांड का खोजी बन बैठता है—इसकी कहानी केवल इलॉन मस्क की नहीं है। यह अमेरिकी सभ्यता की तासीर है। तभी वहा का संगीतकार और गायक भी दुनिया को थिरकाता हैं तो अमेरिका में विश्वास का जज़्बा भी बनाए रखता हैं। अमेरिका की सांस्कृतिकता हो, उसका उपभोक्तावाद हो या उसका पूंजीवाद—सब व्यक्ति के सपनों से है।

मेष राशि-आज का दिन शानदार रहने वाला है। काफी समय से रुके हुए काम आज थोड़े ही प्रयास में में पूरे हो जाएंगे। जो लोग टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं।

वृष राशि-आज का आपके लिए दिन खास रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे। आज घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा और नई टेक्नोलाजी से अपडेट होने का प्रयास करेंगे। जो लोग स्वीट्स ,कैफे आदि के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको अच्छा मुनाफा होगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान देने की जरूरत है, आज अपने गुस्से पर काबू रखें, वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं। साझेदारी में व्यवसाय कर रहे लोगों को उनके सहयोगी और कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग से आज व्यावसायिक गतिविधियों को और अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला वाला रहेगा। कर्क लग्न और राशि वालों आपका पूरा दिन भाग-दौड़ में बीतेगा। आज के दिन आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय में अच्छा लाभ होने की स्थिति बन रही है। पेपर वर्क पूरा न होने से जरूरी काम बनते-बनते रुक सकता है।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। प्रॉपर्टी से संबंधित रुका हुआ मामला आपसी सहमति से आज हल हो सकता है। आज जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, उनका प्लान किसी कारणवश अंतिम समय में कैंसिल हो सकता है।

कन्या राशि-आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी दैनिक गतिविधियों में कुछ नयापन लाने का प्रयास करेंगे। पुरानी समस्याओं से आज राहत मिलेगी। इस समय अतिरिक्त आय प्राप्ति के भी योग बन रहे हैं जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए बिजनेस में निवेश करने का विचार बना सकते हैं।

तुला राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। कार्यस्थल पर अपने काम के प्रति सतर्क रहें कुछ लोग आज आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना होगा। रुके हुए पैसों की वापसी आज संभव है। बातचीत करके आप अपना काम निकालने में सक्षम रहेंगे।

वृश्चिक राशि-आज आपका का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है और आज कुछ विशेष बातें सीखने को मिलेगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आज आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आपकी कार्यकुशलता से उम्मीद के अनुरूप लाभ होगा। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बनेगा।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में नयापन देखने को मिलेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है। आज किसी से बेवजह की बातें न करें, जितना हो सके विवाद से दूर रहें। अगर आप खुद की फर्म खोलना चाहते हैं, तो आपको अपने बड़े भाई से सहयोग मिल सकता है।

कुंभ राशि-आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आज आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है, इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बिजनेस में नये एग्रीमेंट होने की संभावना है। आज कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली को आज दूसरों के समक्ष उजागर न करें। कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी। आप पार्टटाइम वर्क की शुरूआत कर सकते हैं, धैर्य और संयम बनाकर रखें। आज बच्चों की शिक्षा से संबंधित कुछ लाभदायक योजनाएं बनेंगी इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

योगेश कुमार गोयल

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई,

चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है। रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं। तालध्वज रथ में 14 चक्के होते हैं और इसकी ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है। दर्पदलन रथ सबसे छोटा होता है, जिसमें 12 चक्के होते हैं और यह लगभग 43 फीट ऊंचा होता है। यात्रा के दौरान तीनों रथों को श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक खींचा जाता है और वहां सात दिनों तक भगवान विश्राम करते हैं। यह यात्रा किसी साधारण जुलूस की तरह नहीं होती बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही ऐसी आध्यात्मिक परंपरा है, जिसे केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है।

रथ यात्रा से जुड़े कई पौराणिक प्रसंग भी हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध स्कंद पुराण में वर्णित कथा है। इसके अनुसार, एक दिन भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने द्वारका शहर घूमने की इच्छा प्रकट की। तब श्रीकृष्ण और बलराम उन्हें रथ पर बैठाकर नगर दर्शन कराने ले गए। यही प्रसंग पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के रूप में जीवंत होता है, जहां भगवान अपनी बहन को साथ लेकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। इस यात्रा के हर पड़ाव पर धार्मिक रस्में होती हैं, जैसे कि हेरा पंचमी, जब देवी लक्ष्मी क्रोधित होकर भगवान के देर से लौटने पर मंदिर के बाहर प्रतीक्षारत रहती हैं। इसके बाद बहुड़ा यात्रा होती है, जब भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर से वापस अपने मुख्य मंदिर आते हैं। 24 जुलाई को वापसी के बाद उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और सुनाबेसा रस्म के अंतर्गत उन्हें स्वर्णाभूषणों से सजाया जाएगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, जापान जैसे कई देशों में इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, विशेष रूप से इस्कॉन संस्था द्वारा। इस यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरी में हर साल लाखों की संख्या में विदेशी श्रद्धालु आते हैं, जो इस भव्य आयोजन में भाग लेकर भारतीय संस्कृति की गहराई को अनुभव करते हैं। यह भारत की सॉफ्ट पावर का एक जीवंत उदाहरण है, जहां धर्म, संस्कृति और पर्यटन एक साथ राष्ट्र के वैश्विक प्रभाव को मजबूत करते हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 21 जुलाई 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

युवाओं का साहस और परिश्रम ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकतः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के युवाओं के साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए सोमवार को एक प्रेरणादायी संस्कृत सुभाषितम् साझा किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा अपने धैर्य, अथक परिश्रम और अटूट विश्वास के बल पर लगातार ऐतिहासिक सफलताएं अर्जित कर रहे हैं, जो विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज का भारतीय युवा हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना कर रहा है और कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से विचलित हुए बिना आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं की यही ऊर्जा, संकल्प और कर्मठता देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ एक संस्कृत सुभाषितम् भी साझा किया—

प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः।
दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥

इस सुभाषित का भावार्थ है कि महान व्यक्ति विपत्ति आने पर कभी

विचलित नहीं होता, बल्कि सजग रहकर निरंतर प्रयास करता है। वह समय आने पर कठिनाइयों को धैर्यपूर्वक सहन करता है और अंततः अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों पर विजय प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने संकेत दिया कि भारत के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, नवाचार, उद्योग, खेल और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर देश का नाम वैश्विक स्तर पर ऊंचा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि युवाओं का यही उत्साह, नवाचार और परिश्रम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- 'जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती'

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले कहा कि हां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत हैं और तर्क मजबूत हैं तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मानसून सत्र आरंभ हो रहा है, देश ने रफ्तार पकड़ ली है और संसद का स्पिरिट उस रफ्तार में नई ऊर्जा भर सकता है। सकारात्मक स्पिरिट राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक होता है। उन्होंने कहा, हमारे सदन में बहुत अनुभवी सांसद भी हैं, चाहे दल उनका कोई भी हो। उनके पास लंबा अनुभव है।

राज्यसभा के नौ नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा कक्ष में नौ नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ तथा प्रतिज्ञान दिलाया।

शपथ लेने वाले सदस्यों में डॉ. मुकेशभाई जे. राठवा, पवन खेड़ा, महेश केवट, जेम्स पंगसांग कोंगकल संगमा, खियांग्ते लालट्लुआंगकिमा, डॉ. सतीश पूनिया, प्रकाश चिक बड़ाईक, सुश्री सुष्मिता देव तथा सुखेंदु शेखर शामिल हैं। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पांच सदस्यों ने हिन्दी, दो सदस्यों ने अंग्रेजी तथा दो सदस्यों ने बंगाली भाषा में शपथ/प्रतिज्ञान लिया। नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों में तीन सदस्य पश्चिम बंगाल से हैं, जबकि गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और राजस्थान से एक-एक सदस्य राज्यसभा पहुंचे हैं। शपथ ग्रहण के साथ ही सभी सदस्यों ने राज्यसभा की कार्यवाही में औपचारिक रूप से भाग लेने की प्रक्रिया पूरी कर ली। मानसून सत्र के पहले दिन आयोजित इस संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सदन की संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए शपथ ग्रहण की कार्यवाही संपन्न हुई।

महाराष्ट्र में रफ्तार का कहर, वर्धा सड़क हादसे में छह लोगों की मौत,सुनेत्रा पवार ने व्यक्त की संवेदना

वर्धा(आरएनएस)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में रविवार को भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सड़क हादसे पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुख जताया है। सुनेत्रा पवार ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, जिले के विरुल गांव के पास समृद्धि राजमार्ग पर घटी भयावह दुर्घटना अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुर्घटना में निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जिससे गहरा सदमा लगा है। उन्होंने आगे लिखा, इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है और राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को आवश्यक उपचार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। हम उनके परिवारों के दुख में उनके साथ हैं। वर्धा के पास हाईवे पर एक कार और ट्रक की टक्कर हो जाने के बाद 6 लोगों की जलकर मौत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक में लगी आग की वजह से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार लोगों की गाड़ी जलते हुए ट्रक के नीचे फंसने से दर्दनाक मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया है।मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार चारों लोग वर्धा जिले के एक गांव के रहने वाले थे। पीड़ितों में जुड़वां बहनें भी शामिल थीं, जो एडमिशन के लिए पुणे गई थीं, लेकिन वापसी के सफर में इस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। हादसा इतना भयानक था कि शवों को निकालने के लिए कार को काटकर निकालना पड़ा।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका, 440 करोड़ वाले बैंक खातों पर ED का ताला रहेगा बरकरार

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा फ्रीज किए गए पार्टी के तीन बैंक खातों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया है। इन खातों में कुल 440 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम जमा है। इससे पहले राज्य पुलिस ने भी इन खातों को सीज किया था, जिन्हें हाई कोर्ट की एक अन्य बेंच ने आंशिक रूप से खोल दिया था, लेकिन इसके तुरंत बाद ED ने कड़ा एक्शन लेते हुए इन खातों को फिर से पूरी तरह से फ्रीज कर दिया।

पिछली बेंच ने दी थी रोजमर्रा के खर्चों की सशर्त छूट

इस पूरे मामले में इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट की ही एक दूसरी बेंच ने पार्टी को फौरी राहत देते हुए कुछ कड़ी शर्तों के साथ खातों के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी दी थी। अदालत ने तब साफ किया था कि पार्टी इन खातों से कोई बड़ा लेनदेन नहीं कर सकेगी और इसका इस्तेमाल केवल अपने दिन-प्रतिदिन के जरूरी कामकाज और खर्चों के लिए ही होगा। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सिंगल बेंच के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कलकत्ता हाई कोर्ट के ही रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार को स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया था। कोर्ट का आदेश था कि यह निगरानी व्यवस्था 30 सितंबर तक लागू रहेगी।

खाते सीज करने की जल्दबाजी पर कोर्ट ने जताई थी हैरानी

पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्यप्रणाली और खातों को इतनी तेजी से फ्रीज करने की कार्रवाई पर गहरी हैरानी व्यक्त की थी। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि 18 जून को एफआईआर दर्ज होती है और अगले ही दिन 19 जून को आनन-फानन में बैंक खातों पर रोक लगा दी जाती है। अदालत का स्पष्ट मानना था कि शुरुआती स्टेज पर ऐसा कोई ठोस आधार या सबूत नजर नहीं आता जिसके दम पर इतनी हड़बड़ी में यह कदम उठाया गया हो। कोर्ट ने पुलिस व्यवस्था पर तंज कसते हुए यह भी कहा था कि जब कोई आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर जाता है, तब प्रशासन की ऐसी तत्परता और फुर्ती शायद ही कभी देखने को मिलती है।

पैसे निकालने के लिए तय किए गए थे कड़े नियम

खातों को आंशिक तौर पर खोलने के साथ ही कोर्ट ने पैसे निकालने के लिए बेहद सख्त शर्तें लागू की थीं। आदेश के मुताबिक, पार्टी किसी भी अन्य काम के लिए पैसे की निकासी नहीं कर सकती थी। बैंक में चेक जमा करने से पहले उस पर टीएमसी के दो अधिकृत पदाधिकारियों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य किया गया था। इतना ही नहीं, पदाधिकारियों के साइन के बाद उस चेक पर अदालत द्वारा नियुक्त किए गए स्पेशल ऑफिसर (रिटायर्ड जज) के काउंटर-सिग्नेचर के बिना बैंक से एक भी रुपया नहीं निकाला जा सकता था। हालांकि, अब ईडी के एक्शन और नई बेंच के फैसले के बाद पार्टी के लिए इन फंड्स का इस्तेमाल करना असंभव हो गया है।

त्रिपुरा के DGP अनुराग धनखड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस हेडक्वार्टर में मिला शव

अगरतला(आरएनएस)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग सोमवार को राज्य पुलिस मुख्यालय में अपने चैंबर से जुड़े बाथरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी।सीनियर आईपीएस अधिकारी को अगरतला के सरकारी मेडिकल कॉलेज और गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज और गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल के मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ. प्रदीप भौमिक ने बताया कि डीजीपी अनुराग को अस्पताल लाया गया था लेकिन उसमें जीवन के कोई संकेत नहीं थे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉ. भौमिक ने मीडिया को बताया, डीजीपी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगी।त्रिपुरा सरकार और राज्य पुलिस मुख्यालय ने अभी तक डीजीपी अनुराग की मौत के कारणों या परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। त्रिपुरा कैडर के 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अनुराग ने पिछले साल 17 मई को राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पद संभाला था। उन्होंने 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी अमिताभ रंजन की जगह ली थी।

डीजीपी बनने से पहले अनुराग त्रिपुरा में पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) के पद पर तैनात थे।मैसूर के सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट से फूड टेक्नोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएट अनुराग के पास उस्मानिया यूनिवर्सिटी से पुलिस मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री भी थी।

राज्यसभा में पूर्व सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को दी गई श्रद्धांजलि, सदन ने रखा दो मिनट का मौन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राज्यसभा में सोमवार को सभापति ने सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पूर्व राज्यसभा सदस्यों बलबीर के. पुंज, स्वपन साधन बोस, रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के साथ-साथ कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि संदेश के बाद सदन ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभापति ने बताया कि पूर्व राज्यसभा सदस्य बलबीर के. पुंज का 18 अप्रैल 2026 को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे वर्ष 2000 से 2006 तक उत्तर प्रदेश तथा 2008 से 2014 तक ओडिशा का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके थे। पंजाब के गुरदासपुर जिले में जन्मे बलबीर पुंज प्रख्यात पत्रकार, लेखक, विचारक और सार्वजनिक बुद्धिजीवी के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर लेखन और विश्लेषण से अपनी अलग पहचान बनाई तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय युवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं। सभापति ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित सांसद, वरिष्ठ पत्रकार और प्रख्यात लेखक को खो दिया है। सभापति ने स्वपन साधन बोस के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उनका 12 मई 2026 को 78 वर्ष की आयु में निधन हुआ। वे वर्ष 2005 से 2011 तक पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य रहे। खेल जगत में टूटू बोस के नाम से प्रसिद्ध स्वपन साधन बोस लंबे समय तक मोहन बागान एथलेटिक क्लब से जुड़े रहे और उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने फीफा क्लब टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में भी कार्य किया तथा भारतीय फुटबॉल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभापति ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित खेल प्रशासक, सक्षम सांसद और समर्पित जनसेवक को खो दिया।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में 20-21 जुलाई को ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की 8वीं बैठक शुरू

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत की वर्ष 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग द्वारा 20 और 21 जुलाई को ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की 8वीं बैठक का वर्चुअल माध्यम से आयोजन किया जा रहा है। भारत के महान्यायवादी आर. वेंकटरमणी की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के अभियोजन सेवा प्रमुख भाग ले रहे हैं। बैठक का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए आपसी सहयोग को मजबूत करना है। यह बैठक भारत के ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रमुख विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण (Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability) को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सदस्य देशों के अभियोजन प्रमुखों की भागीदारी न्याय व्यवस्था को अधिक स्थिर, निष्पक्ष और पूर्वानुमानित बनाने की साझा प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है, जिससे आर्थिक विकास और सुशासन को मजबूती मिलेगी।दो दिवसीय बैठक का मुख्य विषय अभियोजन के दृष्टिकोण से आपराधिक न्यायनिर्णयन में अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान रखा गया है। इस दौरान सदस्य देश आधुनिक न्यायिक चुनौतियों, अभियोजन प्रणाली में सुधार तथा प्रभावी विधायी प्रक्रियाओं पर अपने अनुभव साझा करेंगे। बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, न्यायिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रभावी प्रबंधन और समयबद्ध मुकदमों के संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा होगी।

उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन, चारधाम यात्रा की गई स्थगित, श्रद्धालुओं से अफवाहों से बचने की अपील

देहरादून ,(आरएनएस)। उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और मौसम विभाग की ओर से जारी रेड एवं ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर प्रशासन ने चारधाम यात्रा को एहतियातन अस्थायी रूप से रोक दिया है। कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़कें बाधित होने की सूचना मिलने के बाद यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

प्रशासन के अनुसार, चारधाम यात्रा मार्ग पर हालात की लगातार निगरानी की जा रही है। जिन स्थानों पर रास्ते प्रभावित हुए हैं, वहां राहत एवं सड़क बहाली का कार्य तेज़ी से जारी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मार्ग में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए और उन्हें भोजन, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।गढ़वाल मंडल प्रशासन ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मौसम सामान्य होने और मार्ग पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही यात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए। साथ ही, यात्रा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां समय-समय पर आधिकारिक माध्यमों से साझा करने के निर्देश भी दिए गए हैं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर भरोसा न करें और केवल सरकारी विभागों द्वारा जारी आधिकारिक सूचना का ही पालन करें। मौसम और सड़क की स्थिति सामान्य होने तक यात्रा से जुड़े सभी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि परिस्थितियों में सुधार होते ही चारधाम यात्रा को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और प्रभावित मार्गों को जल्द से जल्द सुचारु बनाना है।

1109 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के कई ठिकानों पर छापेमारी

भुवनेश्वर, (आरएनएस)। 1109 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा कदम उठाते हुए गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की है। भुवनेश्वर की विशेष सीबीआई अदालत से मिले तलाशी वारंट के आधार पर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में कार्रवाई की गई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार, कंपनी पर बैंकों से अधिक ऋण प्राप्त करने के लिए वित्तीय आंकड़ों और स्टॉक वैल्यू को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि कथित तौर पर गलत वित्तीय जानकारी के आधार पर ऋण सीमा बढ़वाई गई और बाद में ऋण राशि का दुरुपयोग करते हुए उसे अन्य खातों एवं उद्देश्यों में स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, कोलकाता स्थित पंजीकृत कार्यालय, उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर तथा भुवनेश्वर स्थित उत्पादन इकाइयों की तलाशी ली गई। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जब्त दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर ने विभिन्न बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 2900 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। कंपनी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 270 करोड़ रुपये और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के 226 करोड़ रुपये का बकाया होने का आरोप है।

CJP के प्रदर्शन में पहुंची पूनम पांडे, बोली- मुझे पॉलिटिक्स का 'पी' भी नहीं पता, मैं सिर्फ छात्रों के लिए आई हूं

नई दिल्ली(आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम पांडे सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक और छात्रों की समस्याओं को लेकर सरकार से तुरंत कड़े कदम उठाने की अपील की। मीडिया से बात करते हुए पूनम ने साफ किया कि वह किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत नहीं, बल्कि पूरी तरह से छात्रों का समर्थन करने यहां आई हैं।

प्रदर्शन स्थल पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूनम पांडे ने कहा, मैं एक चीज साफ-साफ बोलना चाहूंगी कि यह प्रदर्शन शुरू से ही बच्चों का था और अब भी बच्चों का ही है। मैं यहां सिर्फ और सिर्फ छात्रों का समर्थन करने और उनके हक की लड़ाई लड़ने आई हूं। मुझे पॉलिटिक्स का 'पी' भी नहीं पता। मैं बस उन बच्चों के लिए आई हूं जिन्होंने पेपर लीक और सिस्टम से परेशान होकर आत्महत्या की है। मैं उनके न्याय के लिए खड़ी हूं। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि इस संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक या धार्मिक रंग न दिया जाए और इसे छात्रों का ही मुद्दा रहने दिया जाए।

संघर्ष के दिनों को याद करते हुए पूनम ने कहा, मेरे पिता एक सिक्योरिटी गार्ड थे और उनकी सैलरी सिर्फ 7,000 रुपये थी। वह रात की शिफ्ट में काम करते थे। उस समय हमारे पास स्कूल की फीस भरने तक के पैसे नहीं होते थे, क्योंकि हमारे देश में शिक्षा इतनी महंगी है कि एक गरीब परिवार इसका खर्च नहीं उठा पाता। आज के दौर में जब बच्चे इतनी मेहनत करते हैं और उनके मां-बाप पेट काटकर पैसे जुटाते हैं, उसके बाद अगर पता चले कि पेपर लीक हो गया है, तो उन पर क्या गुजरती होगी? ऐसे हालातों में बच्चों के दिमाग में आत्महत्या के ख्याल आते हैं। दुख की बात है कि हम इस मुख्य मुद्दे को छोड़कर हिंदू-मुस्लिम जैसे बेकार के विषयों पर बहस कर रहे हैं।

पूनम पांडे ने सरकार को घेरते हुए कहा, लोकतांत्रिक देश में जनता को अपनी समस्याओं पर जवाब मांगने का अधिकार है। मेरी सरकार से अपील है कि हम यहां के नागरिक हैं और हमारा पूरा हक बनता है कि हम जवाब मांगें। छात्रों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए और इस मुद्दे को भटकाने के बजाय उन परिवारों के बारे में सोचना चाहिए, जो इस पूरे मामले से प्रभावित हुए हैं। बता दें कि नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। इस आंदोलन का नेतृत्व सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक कर रहे हैं।

एपीडा की पहल से उत्तराखंड से इराक को पहली बार 24 मीट्रिक टन फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का निर्यात

नई दिल्ली/काशीपुर (आरएनएस)। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर से इराक को 24 मीट्रिक टन फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज की पहली निर्यात खेप भेजने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। वीरुन ग्लोबल ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात की गई यह खेप राज्य से मूल्यवर्धित कृषि उत्पादों के निर्यात को नई दिशा देने के साथ ही भारत के प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

निर्यातक कंपनी ने उम्मीद जताई है कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार से लगातार नए ऑर्डर प्राप्त होंगे और इराक सहित अन्य देशों के साथ दीर्घकालिक व्यापारिक संबंध स्थापित होंगे। इससे कंपनी के साथ-साथ क्षेत्र के किसानों और कृषि-आधारित उद्योगों को भी निरंतर लाभ मिलेगा। एपीडा ने निर्यातकों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सियाल, गल्फूड, इंडसफूड और वर्ल्ड फूड इंडिया जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में भागीदारी के लिए भी सहयोग दिया है। इससे विदेशी खरीदारों के साथ संपर्क बढ़ा है और नए निर्यात अवसर विकसित हुए हैं। भारत प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के वैश्विक निर्यातक के रूप में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान देश से 7,26,874.70 मीट्रिक टन प्रसंस्कृत सब्जियों का निर्यात हुआ, जिसका कुल मूल्य 932.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इनमें मूल्यवर्धित आलू उत्पादों का निर्यात 2,77,108.51 मीट्रिक टन रहा, जिसकी कीमत 289.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर दर्ज की गई। प्रसंस्कृत फल एवं सब्जियों ने एपीडा के कुल निर्धारित निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दिया।

जलवायु संकट और बढ़ते संघर्ष से विश्व धरोहरों पर मंडरा रहा खतरा : यूनेस्को

बुसान (ए.)। यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया। शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकर 'वैश्विक जागरूकता' और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक

महानिदेशक नायेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है।योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, भौतिक क्षति की भरपाई कई बार संभव होती है, लेकिन प्रभावित समाजों को होने वाली मानसिक और सांस्कृतिक क्षति की भरपाई करना बेहद कठिन होता है।उन्होंने कहा, "इस जिम्मेदारी को निभाना केवल सरकारों का काम नहीं है। इन स्थलों पर रहने वाले लोगों, वहां काम करने वालों और उन्हें देखने आने वाले पर्यटकों की भी समान जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इन अमूल्य धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव हो।"यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के निदेशक लाजारे एलाउंडू असोमो ने भी इस चिंता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक धरोहरें इस समय "अभूतपूर्व दबाव" का सामना कर रही हैं।उन्होंने बताया कि इन धरोहरों के सामने कई परस्पर जुड़े खतरे हैं, जिनमें लगातार बढ़ रही चरम मौसम की घटनाएं, प्राकृतिक आपदाएं, जानबूझकर किए जाने वाले हमले और मानव गतिविधियों का बढ़ता दबाव शामिल हैं।असोमो ने कहा, "ऐसे समय में बुसान में हो रही समिति की यह बैठक पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रुख को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। हमें उम्मीद है कि यह बैठक वैश्विक जागरूकता का एक नया दौर शुरू करेगी ।

भारतीय छात्रों के लिए महत्वपूर्ण खबर, अमेरिकी वीजा नियम हुए सख्त, पढ़ाई और डिग्री पर पड़ सकता है असर

वाशिंगटन (आरएनएस)। एक इंडियन डायस्पोरा पॉलिसी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि एफ-1 और जे-1 वीजा पर चार साल की नई लिमिट से अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स को अपनी डिग्री या रिसर्च के बीच में ही अमेरिका से बाहर जाना पड़ सकता है।फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के नए नियम को तत्काल लागू करने पर रोक लगाने की अपील की है।एफआईआईडीएस के अनुसार, यह नियम 16-17 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया और सितंबर के मध्य से लागू होने वाला है।संगठन का कहना है कि इस नियम के तहत वर्षों से लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' नीति को समाप्त कर दिया गया है और विदेशी छात्रों के लिए अधिकतम चार वर्ष तक रहने की सीमा तय कर दी गई है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर गूंजी किलकारी, 150 साल बाद अमेरिका में बना अनोखा रिकॉर्ड; पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा वेंस के घर एक नन्हे मेहमान का आगमन हुआ है। दंपति ने चौथी बार माता-पिता बनने का गौरव हासिल किया है। इस बेटे के जन्म के साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नाम एक बेहद अनोखा और ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अमेरिकी इतिहास में पिछले 150 से अधिक वर्षों में यह पहला मौका है, जब पद पर रहते हुए किसी मौजूदा उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। इस सुखद समाचार के सामने आने के बाद से ही वैश्विक स्तर पर दंपति को बधाइयाँ मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है।

जानिए क्या रखा है नन्हे मेहमान का नाम, दंपति ने जारी किया बयान

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा वेंस ने सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर इस खुशखबरी को पूरी दुनिया के साथ साझा किया। अपने बयान में उन्होंने बच्चे के नाम का खुलासा करते हुए कहा, हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारे घर एक प्यारे से बेटे का जन्म हुआ है, जिसका नाम हमने 'एलेक नील वेंस' रखा है। उषा और हमारा नवजात बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं। हमारे बाकी तीनों बच्चे अपने छोटे भाई के स्वागत को लेकर बेहद उत्साहित और खुश हैं।

व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम और मिलिट्री डॉक्टर्स का जताया आभार

अपनी खुशी साझा करते हुए जेडी वेंस ने चिकित्सा टीम का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, वॉल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के बेहतरीन मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ सदस्य हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहे हैं। उन्होंने इस सफर में हमारे परिवार की जो देखभाल और सहयोग किया है, उसके लिए हम दिल से उनके आभारी हैं। आपको बता दें कि जेडी वेंस की 40 वर्षीय पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस भारतीय मूल की हैं और उनका परिवार मूल रूप से भारत के आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखता है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी, जिसके बाद साल 2014 में दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। वेंस दंपति के तीन अन्य बच्चों में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मिराबेल शामिल हैं।

1870 के बाद पहली बार हुई ऐसी दुर्लभ घटना

दिलचस्प बात यह है कि रिपब्लिकन नेता जेडी वेंस लंबे समय से अमेरिकी परिवारों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं, और उनके चौथे बच्चे का जन्म उन्हीं के विचारों की तस्दीक करता है। अमेरिकी इतिहास के पन्नों को पलटें तो पद पर रहते हुए किसी उपराष्ट्रपति के घर बच्चे के जन्म की ऐसी आखिरी घटना साल 1870 में हुई थी।

उस समय अमेरिका के तत्कालीन उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स और उनकी दूसरी पत्नी एलेन वेड के घर बेटे का जन्म हुआ था, जिसका नाम शायलर कोलफैक्स तृतीय रखा गया था। उसके बाद से अब जाकर यह ऐतिहासिक संयोग दोबारा बना है।

अमेरिका से खूनी जंग के बीच ईरान में बड़ी वारदात, पाकिस्तान बॉर्डर पर प्रमुख सुन्नी धर्मगुरु की सरेआम गोली मारकर हत्या

मिर्जावेह (ए.)। एक तरफ ईरान इन दिनों अमेरिका के साथ सीधे और भीषण सैन्य टकराव में उलझा हुआ है, तो वहीं दूसरी तरफ देश के भीतर एक बड़ी खूनी वारदात ने सनसनी फैला दी है। पाकिस्तान की सीमा से सटे ईरान के दक्षिण-पूर्वी शहर मिर्जावेह में एक प्रमुख सुन्नी धर्मगुरु मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात बंदूकधारियों ने सरेआम हत्या कर दी है। मौलवी अनवर इस शहर में हर शुक्रवार को होने वाली नमाज के इमाम थे। शिया बहुल देश ईरान में यह सनसनीखेज वारदात सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में हुई है, जहां सुन्नी बलूच आबादी बहुतायत में रहती है। ईरान के सरकारी मीडिया ने स्थानीय प्रशासन के हवाले से इस निर्मम हत्याकांड की पुष्टि की है।सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की गिनती ईरान के सबसे गरीब और अशांत इलाकों में होती है। यह क्षेत्र लंबे समय से इस्लामी या जातीय उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच खूनी

संघर्ष का गवाह रहा है। इस हाई-प्रोफाइल हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि इस जानलेवा हमले का मुख्य मकसद देश की आंतरिक सुरक्षा को अस्थिर करना और प्रांत में सांप्रदायिक मतभेदों की आग को भड़काना है। फिलहाल पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और प्रशासन ने स्थानीय लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।ईरान के भीतर यह अस्थिरता ऐसे बेहद संवेदनशील वक्त में सामने आई है जब वह बाहरी मोर्चे पर भी भयंकर तनाव से गुजर रहा है। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर भारी बमबारी की है, जिसके जवाब में ईरान भी खाड़ी देशों में लगातार पलटवार कर रहा है। इन बढ़ती तल्खियों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ यह युद्ध तब तक नहीं थमेगा, जब तक ईरान को इस लड़ाई में मजबूत बढ़त नहीं मिल जाती। सरकारी न्यूज एजेंसी को दिए एक कड़े इंटरव्यू में अराघची ने स्पष्ट किया है कि जब तक संघर्ष में स्थिति ईरान के पक्ष में मजबूत नहीं होती, तब तक किसी भी तरह की बातचीत नहीं होगी।

ईरान की आर्थिक हालत खराब है, सरकार हिज्बुल्लाह के ऊपर खर्च कर रही पैसे : मार्को रुबियो

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। दोनों देशों के बीच जारी इस सैन्य टकराव में अब तक तीन अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है। अमेरिकी सरकार ने इन ताजा हमलों को हाल ही में मारे गए अपने तीन सैनिकों को श्रद्धांजलि बताया है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया कि वैश्विक प्रतिबंधों के कारण ईरान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है।मार्को रुबियो ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ईरान की अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। वहां 300 फीसदी महंगाई है, खासकर जिंदगी के लिए जरूरी चीजों पर। वहां खाने की कमी है।

मनीला में त्रिपक्षीय बैठकः उत्तर कोरिया और सुरक्षा सहयोग पर होगी चर्चा

सोल (ए.)। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के शीर्ष

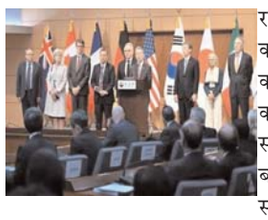

राजनयिक इस सप्ताह फिलीपींस की राजधानी मनीला में बैठक करेंगे। इस बैठक में उत्तर कोरिया से जुड़े मुद्दों पर समन्वय और तीनों देशों के बीच आर्थिक तथा सुरक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा होगी।मंत्रालय के अनुसार, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून बुधवार को मनीला में आसियान से संबंधित मंत्रिस्तरीय बैठकों के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी योनहाप समाचार एजेंसी ने दी। यह बैठक 7 जुलाई को अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान हुई पिछली त्रिपक्षीय वार्ता के लगभग दो सप्ताह बाद हो रही है।

फीचर

एरोबिक्स बनाम जैजर्साइजः दोनों में से कौन-सी एक्सरसाइज है ज्यादा लाभदायक

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही ऐसी एक्सरसाइज हैं, जो शरीर को फिट रखने में मदद करती हैं। जहां एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल हैं, वहीं जैजर्साइज में नाच-गाने का भी तत्व होता है। दोनों का अपना अलग-अलग महत्व और फायदे हैं। इस लेख में हम इनके बीच के अंतर और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलना करेंगे, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि आपके लिए कौन सी एक्सरसाइज बेहतर है।

एरोबिक्स क्या है?

एरोबिक्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें तेज गति वाले व्यायाम शामिल होते हैं। यह सांस लेने की प्रणाली को बेहतर बनाने और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है।

एरोबिक्स में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना आदि शामिल होते हैं। यह आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे खून का संचार बेहतर होता है।

इसके अलावा यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

जैजर्साइज क्या है?

जैजर्साइज एक नाच-गाने पर आधारित एक्सरसाइज है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संगीत और डांस स्टेप्स शामिल होते हैं।यह न केवल आपके दिल की धड़कन को बढ़ाता है बल्कि आपको मजेदार तरीके से फिट रखने में मदद करता है।जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

दोनों एक्सरसाइज का अंतर

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही व्यायाम हैं, लेकिन इनके तरीके अलग हैं।एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल होते हैं, जबकि जैजर्साइज में नाच-गाने का तत्व होता है।एरोबिक्स के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, जबकि जैजर्साइज में कभी-कभी विशेष उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है।दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

दोनों ही एक्सरसाइज का सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एरोबिक्स करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

इन दोनों में से किसे चुनें?

अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसे चुनना चाहिए?अगर आप पारंपरिक व्यायाम पसंद करते हैं तो एरोबिक्स बेहतर विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आप मजेदार तरीके से फिट रहना चाहते हैं तो जैजर्साइज आजमा सकते हैं।यह आपकी व्यक्तिगत रुचि और जरूरतों पर निर्भर करता है कि आप कौन-सी एक्सरसाइज चुनें। दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया : संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल-4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल-4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

राम कपूर को पसंद करने की खबरों पर माधुरी ग्रोवर ने दी सफाई, बोलीं- हमारे बीच खास रिश्ता, घंटों होती थी बातचीत

रियलिटी शो लॉक अप: सच या सजा में अभिनेत्री माधुरी ग्रोवर और अभिनेता राम कपूर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद कुछ लोगों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया कि शायद माधुरी राम कपूर को पसंद करने लगी हैं। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ने इन सभी चर्चाओं पर खुलकर बात की है और कहा कि उनके और राम कपूर के बीच सिर्फ एक खास दोस्ती थी, जिसमें लंबी बातचीत, सीखने और एक-दूसरे को समझने का रिश्ता शामिल था। माधुरी ग्रोवर ने राम कपूर को लेकर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं सिर्फ गलतफहमी की वजह से शुरू हुईं। हम दोनों के बीच एक बहुत अच्छा और अलग तरह का जुड़ाव था। शो के दौरान मैं राम कपूर से इंडस्ट्री, जिंदगी और उनके अनुभवों को लेकर लगातार सवाल पूछा करती थीं। माधुरी ने कहा, राम कपूर और मेरा बहुत अच्छा और खास बॉन्ड था। हमारे बेड एक-दूसरे के सामने थे, इसलिए बातचीत का मौका ज्यादा मिलता था। मैं सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाली इंसान थी। मैं उनसे इंडस्ट्री, जिंदगी और कई चीजों को लेकर बहुत सारे सवाल करती थी और वह हर सवाल का धैर्य से जवाब देते थे।

उन्होंने कहा, दर्शकों ने शो में हमारी बातचीत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा देखा, जबकि असल में हम दोनों के बीच कई घंटे तक लंबी बातें होती थीं। राम कपूर ने हमेशा मेरी बातों को ध्यान से सुना और हर सवाल का जवाब देने की कोशिश की।

माधुरी ग्रोवर ने बताया कि राम कपूर के साथ उनकी बातचीत सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके अनुभवों से सीखने की कोशिश करती थीं। उन्होंने राम कपूर को इंडस्ट्री का अनुभवी कलाकार बताते हुए कहा कि उनके पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है।

बता दें कि माधुरी ग्रोवर लॉक अप: सच या सजा के दूसरे सीजन से बाहर होने वाली हालिया कंटेस्टेंट हैं। शो के दौरान उनकी और राम कपूर की बातचीत दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस रियलिटी शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कंटेस्टेंट नजर आ रहे हैं।

इस शो को अभिनेत्री-निर्देशक फराह खान और अभिनेता रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा बन सकती हैं ये चीजें, मानसून के दौरान इनसे रहें दूर

मानसून का मौसम कई बीमारियों का कारण बन सकता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी ज्यादा खतरनाक है। इसका कारण है कि मानसून के दौरान होने वाली बीमारियां गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चे के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिनसे गर्भवती महिलाओं को मानसून के दौरान दूरी बनाकर रखनी चाहिए, ताकि वे सुरक्षित रहें।

तैराकी

मानसून में तैराकी करने से बचना चाहिए, क्योंकि तालाबों या स्विमिंग पूल में मौजूद कीटाणु पेट के संक्रमण से लेकर डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों तक का कारण बन सकते हैं।

ये बीमारियां गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत गंभीर हो सकती हैं। खासकर, अगर इनकी वजह से अस्पताल जाने की जरूरत पड़े तो यह गर्भवती महिला और उसके बच्चे के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है।इसलिए, तैराकी से दूरी बनाए रखना बेहतर है।

ठंडा पेय और आइसक्रीम

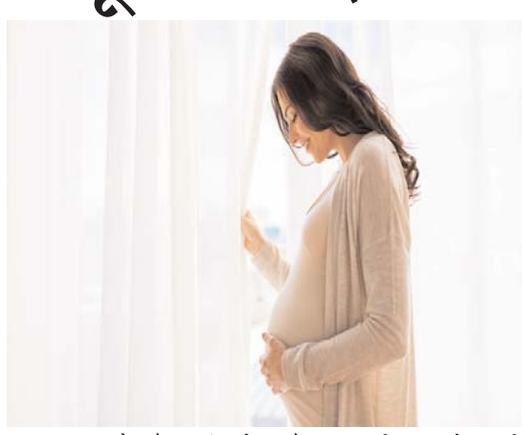

मानसून के दौरान ठंडा पेय और आइसक्रीम का सेवन भी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है।

इसका कारण है कि मानसून में इन पेय और खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो पेट के संक्रमण का कारण बन सकते हैं।ये खाद्य पदार्थ काफी ठंडे भी होते हैं और बारिश के कारण भी मौसम ठंडा हो जाता है। ऐसे में इनके सेवन से गर्भवती महिलाओं के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ सकता है।

नंगे पैर चलना

मानसून में सड़क पर नंगे पैर चलना भी गलती है, फिर चाहे आप किसी भी स्टेज पर गर्भवती क्यों न हों। इसका कारण है कि मानसून में सड़कें गीली रहती हैं और इस कारण इनमें मौजूद कीटाणु आपको बीमार कर सकते हैं।यही नहीं, गीली सड़कें फिसलन वाली भी होती हैं, जिससे गिरकर चोट लगने का खतरा भी रहता है। इसलिए, हमेशा जूते या चप्पल पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए।

खुली चीजें खाना

मानसून में खुली चीजें खाना भी सही नहीं है। इसका कारण है कि खुली चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं और इनका सेवन आपको बीमार कर सकता है।इसलिए, गर्भवती महिलाएं खुली चीजें खाने से बचें। अगर किसी कारण से खुली चीजें खानी भी पड़ जाए तो इनसे होने वाली बीमारियों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और डॉक्टर से संपर्क करें।सुरक्षित और ताजा भोजन का ही सेवन करें।

तीन छात्रों का कमाल, चोट से बचाने वाली स्पोर्ट्स टी-शर्ट बनाकर जीता नेशनल हैकाथॉन

नई दिल्ली,(आरएनएस) ,। तमिलनाडु के सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के तीन छात्रों ने ऐसी खास स्पोर्ट्स टी-शर्ट तैयार की है, जो तेज रफ्तार वाली गेंद लगने से खिलाड़ियों को होने वाली इंजरी को कम करने में मदद करती है। इस शानदार इनोवेशन के चलते उन्होंने सरकार समर्थित 'संरचना डिजाइन इनोवेशन हैकाथॉन' जीता।

कॉलेज की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, बी.टेक फैशन टेक्नोलॉजी के छात्र नंदीश्वर एम., जी. सरन और सुष्मिता के.एस. ने यह उपलब्धि हासिल की। यह प्रतियोगिता कपड़ा मंत्रालय ने 14 से 17 जुलाई तक नई दिल्ली में आयोजित भारतटेक्स 2026 के दौरान कराई थी। देशभर से आई 700 से अधिक प्रविष्टियों में उनकी टीम विजेता रही। इसके लिए उन्हें 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया गया।

छात्रों ने जो स्पोर्ट्स टी-शर्ट बनाई है, उसमें अंदर की तरफ एक खास सुरक्षा परत लगाई गई है। यह परत शियर-थिकनिंग फ्लूइड (एसटीएफ) नाम के आधुनिक पदार्थ से तैयार की गई है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि सामान्य स्थिति में यह नरम और लचीला रहता है, लेकिन जैसे ही इस पर तेज झटका या दबाव पड़ता है, यह तुरंत सख्त हो जाता है।

इस तकनीक की मदद से तेज रफ्तार वाली गेंद की टक्कर से पैदा होने वाली ताकत को काफी हद तक सोख लिया जाता है और उसे फैला दिया जाता है। इससे शरीर पर लगने वाला असर कम होता है और चोट का खतरा घट जाता है। इस टी-शर्ट का इस्तेमाल क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल और गोल्फ जैसे खेलों में किया जा सकता है।

कॉलेज के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य खिलाड़ियों को ऐसा स्पोर्ट्स वियर देना है, जो पहनने में हल्का और आरामदायक हो, लेकिन साथ ही उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा भी दे। इससे खिलाड़ियों को भारी सुरक्षा उपकरण पहनने की जरूरत कम हो सकती है। कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग की एक दूसरी टीम ने भी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। सुप्रिया ई., मोनिका एस. और कबीला श्री एन.आर. की टीम को 'बेस्ट इनोवेशन प्रोजेक्ट' श्रेणी में 'स्पेशल इनोवेशन रिकग्निशन अवॉर्ड' मिला। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों की मदद से सूती कपड़े को आग-रोधी बनाने की नई प्रक्रिया विकसित की है। उनके पर्यावरण के अनुकूल विचार और सुरक्षात्मक कपड़ों के क्षेत्र में संभावित उपयोग को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।सोना कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रिंसिपल एस.आर.आर. सेंथिलकुमार ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संस्थान में नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा पर दिए जा रहे जोर का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कॉलेज के छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरिंग के ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है।

मेरा काम प्रदर्शन करना, बाहरी शोर से फर्क नहीं पड़ता : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, (आरएनएस) । इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान केवल भारतीय टीम के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी शोर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और उनका काम सिर्फ मैदान पर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना है।लॉर्ड्स वनडे मैच से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ऐसे दावे किए जा रहे थे कि यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को निराधार बताया था। अब मैच के बाद रोहित ने भी अपने बयान से इन चर्चाओं को लगभग खारिज कर दिया।बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना और मैदान पर उतरकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है। डेब्यू के बाद से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बाहरी चर्चाएं और आलोचनाएं उनके करियर की शुरुआत से ही होती रही हैं और इससे उनके सोचने या खेलने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता।रोहित ने कहा कि जब से मैंने पदार्पण किया है, तब से यह शोर मौजूद है। जब तक मैं खेलूंगा, यह चलता रहेगा। इसलिए इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, शोर-शराबा होने दीजिए। अगर शोर न हो, तो मजा ही नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है और आलोचकों का काम मैदान के बाहर। मैं इसे इसी नजरिए से देखता हूं।

फीफा वर्ल्ड कपः विश्व कप फाइनल खत्म होते ही छिड़ी जंग, स्पेन-अर्जेंटीना खिलाड़ियों के बीच मारपीट

स्पेन,(आरएनएस) ,। स्पेन ने फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान पर एक-दूसरे से भिड़ गए। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पेरेडेस हार के बाद खुद पर काबू नहीं रख सके और वह स्पेन के खिलाड़ियों संग मारपीट करते हुए दिखाई दिए।फाइनल मैच की आखिरी सीटी बजने के बाद अर्जेंटीना के डिफेंडर नहुएल मोलिना ने स्पेन के एक खिलाड़ी के पेट में मुक्का मारा। वहीं, मिडफील्डर पेरेडेस को स्पेन के एरिक गार्सिया का गला पकड़कर धक्का देते हुए देखा गया, जिसके बाद अर्जेंटीना के हेड कोच स्कालोनी ने बीच-बचाव किया।गार्सिया के साथ हुई झड़प के अलावा, पेरेडेस ने गावी को जमीन पर गिरा दिया, उनके चेहरे पर हाथ रखकर उन्हें धक्का दिया और ऐसा लगा कि उन्होंने 21 वर्षीय बार्सिलोना मिडफील्डर की ओर अपना बूट (जूता) भी मारा। उसी समय, मोलिना ने रोड्री पर मुक्का चलाने की कोशिश की, जिससे स्पेनिश कप्तान रुक गए और गुस्से में अर्जेंटीना के डिफेंडर का सामना किया।इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी एलन शियरर ने 'बीबीसी' पर कहा, पेरेडेस ने किसी के चेहरे पर दो-तीन जोरदार मुक्के मारे। वह उन पर हमला करने के इरादे से गए थे। ऐसी चीजों के लिए कोई जगह नहीं है। हम जानते हैं कि यह उनके लिए कितना मायने रखता है और हारना कितना दुखद होता है, लेकिन हारने का भी एक तरीका होता है। हमने अर्जेंटीना की ओर से ऐसा कई बार देखा है। फाइनल विसल के बाद का उनका रिएक्शन बहुत बुरा है।

अवॉर्ड सेरेमनी में ट्रंप की हुई किरकिरी, स्पेनिश खिलाड़ियों ने किया किनारा, दर्शकों ने किया नजरअंदाज

स्पेन ,(आरएनएस) ,। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप में स्पेन की नौजवान टीम का खेल इतना शानदार था कि लियोनेल मेसी के पास भी इसका कोई जवाब नहीं था. और जब मैच खत्म हुआ, तो स्पेन ने ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे मेसी की आंखों में आंसू थे. स्पेन दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतकर फुटबॉल की दुनिया में टॉप पर पहुंच गया है.फेरान टोरेस ने इस वर्ल्ड कप में अपना पहला गोल किया जो यकीनन उनके करियर का सबसे बेहतरीन गोल था. इसी गोल की बदौलत रविवार को हुए फाइनल में स्पेन ने मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर जीत हासिल की. गोल, डिफेंस, टैक्टिस से इतर यहां भी डोनाल्ड ट्रंप खबरों में रहें जो होस्ट देश के राष्ट्रपति के नाते फाइनल देखने पहुंचे थे. ट्रंप ने अपनी आदत से मजबूर होकर फुटबॉल के इस शानदार मौके को भी अपने रंग में रंगना चाहा लेकिन फैंस की हूटिंग के सामने उनकी एक न चली.

बिन बुलाए मेहमान बनने की कोशिश

जब डोनाल्ड ट्रंप और फीफा के प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो प्रेजेंटेशन सेरेमनी के लिए मैदान पर आए, तो स्टेडियम में मौजदू 80 हजार से ज्यादा लोगों ने जबरदस्त हूटिंग की. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पेन की जीत की पार्टी में बिना बुलाए शामिल होने की कोशिश की थी. ट्रंप 'मरीन वन' हेलीकॉप्टर से स्टेडियम पहुंचे. मैच शुरू होने से लगभग 45 मिनट पहले राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर स्टेडियम के ऊपर से उड़ा था. मैच के दौरान वे इन्फेंटिनो के साथ लग्जरी सीटों वाले एक शीशे से कवर हिस्से में बैठे थे. उनके आस-पास कई बड़े लोग और पूर्व खिलाड़ी भी बैठे थे, जिनमें स्पेन के राजा फेलिप VI, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम शामिल थे. अमेरिका का राष्ट्रगान बजने के बाद स्टेडियम की वीडियो स्क्रीन पर कुछ देर के लिए ट्रंप को दिखाया गया. भीड़ में कुछ लोगों ने हूटिंग की, लेकिन ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान दूसरे स्पोर्ट्स इवेंट्स में इससे ज्यादा हूटिंग झेलना पड़ी है. हालांकि, जब स्पेन की जीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति और इन्फेंटिनो प्रेजेंटेशन के लिए मैदान पर आए, तो पूरे स्टेडियम में जोरदार हूटिंग होने लगी।

ट्रॉफी के साथ करोड़ों की कमाई, स्पेन और अर्जेंटीना दोनों को मिला बड़ा इनाम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में स्पेन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन ने इस जीत के साथ ही दूसरी बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। चैंपियन बनने के बाद स्पेन पर जमकर पैसों की बरसात हुई है।

स्पेन को फीफा विश्व कप का खिताब जीतने के बाद 50 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 480 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली। पिछले वर्ल्ड कप में इनामी राशि 42 मिलियन डॉलर थी, और इस बार प्राइज मनी को 8 मिलियन डॉलर बढ़ाया गया था। वहीं, फाइनल में हार का सामना करने के बावजूद अर्जेंटीना को भी 33 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 318 करोड़ रुपये) दिए गए।

नम आंखों से हुई विदाई : मेसी के आंसुओं ने तोड़ा करोड़ों फैंस का दिल, हार के साथ खत्म हुआ वर्ल्ड कप का सफर

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है।

स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।

लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए। मेसी ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने इस विश्व कप में कई बड़े रिकॉर्ड्स को भी अपने नाम किया। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (12) करने वाले खिलाड़ी बने।उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पेले (10) को पीछे छोड़ा। वह तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मेसी अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। वह विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने।

छत्तीसगढ़ समाचार

एम्स रायपुर में पेपरलेस लैब जांच प्रणाली शुरू, ओपीडी मरीजों को मिलेगी तेज़ और आसान सुविधा

रायपुर, (आरएनएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने मरीजों को अधिक सुविधाजनक, त्वरित और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीनीकृत डोम-1 फ्लेबोटोमी ज़ोन का शुभारंभ किया है। इसके साथ ही बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) के मरीजों के लिए पेपरलेस लैबोरेटरी टेस्ट रिक्विजिशन (प्रयोगशाला जांच अनुरोध) प्रणाली लागू कर दी गई है। इस नई सुविधा का उद्घाटन एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया।आधारभूत संरचना के उन्नयन, केंद्रीय वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना तथा मरीजों की सुविधाओं में विस्तार के बाद फ्लेबोटोमी ज़ोन को पुन: नवीनीकृत डोम-1 में स्थानांतरित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब बाह्य रोगी विभाग के मरीजों को प्रयोगशाला जांच के लिए प्रिंटेड पर्ची लेकर फ्लेबोटोमी ज़ोन आने की आवश्यकता नहीं होगी। चिकित्सक द्वारा जांच की इलेक्ट्रॉनिक अनुशंसा किए जाने के साथ ही उसकी जानकारी सीधे प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (लेबोरेटरी इन्फॉर्मेशन सिस्टम) में दर्ज हो जाएगी। इसके बाद मरीज सीधे फ्लेबोटोमी काउंटर पर पहुंचकर पंजीकरण करा सकेंगे, जहां कंप्यूटर पर उपलब्ध डिजिटल विवरण के आधार पर बारकोड तैयार कर रक्त अथवा अन्य नमूनों का संग्रह किया जाएगा।

नई पीढ़ी का भविष्य संवारना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

-राज्यस्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर(ए.)। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रभावना का विकास करना है। शिक्षा संस्कारित समाज, सशक्त राष्ट्र और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला है। राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी संसाधन और समान अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की नई पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में आयोजित राज्यस्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 को संबोधित करते हुए यह बात कही।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को स्नेह पूर्वक आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बड़े सपने देखें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र में 40 प्रशिक्षुओं का औद्योगिक प्रशिक्षण शुरू

रायपुर(आरएनएस)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के अंतर्गत चयनित 40 प्रशिक्षुओं के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में मानव संसाधनङ्कज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा जुलाई माह में ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक कार्य संस्कृति तथा इस्पात उद्योग की उत्पादन प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दो दिवसीय ओरिएंटेशन सत्र से हुआ, जिसमें प्रशिक्षुओं को भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यप्रणाली, एकीकृत इस्पात संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, औद्योगिक सुरक्षा मानकों, कार्यस्थल अनुशासन तथा संगठनात्मक संस्कृति की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद दो दिवसीय संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं ने प्रमुख उत्पादन इकाइयों का अवलोकन किया और आधुनिक इस्पात उत्पादन प्रणालियों तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं को निकट से समझा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य युवाओं को औपचारिक शिक्षा के साथ उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना तथा उनकी रोजगार क्षमता को सुदृढ़ बनाना है।

ऑपरेशन अंकुश में रायगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 जुआ फड़ों पर छापा; 33 जुआरी गिरफ्तार

रायगढ़, (आरएनएस)। रायगढ़ पुलिस ने जिले में जुआ और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन अंकुश के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए रायगढ़-कोरबा सीमा स्थित ग्राम धसकामुड़ा में संचालित पांच जुआ फड़ों पर एक साथ दबिश दी। पुलिस ने मौके से 33 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।छापेमारी के दौरान पुलिस ने 57,140 रुपये नकद, करीब 90 लाख रुपये मूल्य की 7 चारपहिया वाहन और 5 गैस लाइट जब्त की हैं। कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 के तहत पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को रायगढ़ से मंगाई गई बस क्रमांक सीजी 03 ए 5014 से धरमजयगढ़ न्यायालय भेजा, जहां उन्हें पेश कर न्यायिक रिमांड की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रायगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में जुआ और सट्टे के अवैध कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन अंकुश के तहत आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नम्बी जलप्रपात की वादियों से रुबरु हुए CG25 राइडर्स

साहसिक बाइक यात्रा के दौरान बीजापुर पहुंचे, कलेक्टर विश्वदीप को भेंट किया ग्रुप का आधिकारिक बैच

बीजापर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नैसर्गिक सौंदर्य को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से C G25 राइडर्स ग्रुप के दर्जनों बाइक राइडर्स सैकड़ों किलोमीटर की साहसिक यात्रा तय कर बीजापुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले के प्रसिद्ध नम्बी जलप्रपात सहित विभिन्न प्राकृतिक एवं रमणीय पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर यहां की अद्भुत सुंदरता का अनुभव किया।दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होते हुए जब राइडर्स नम्बी जलप्रपात पहुंचे, तो वहां का मनमोहक प्राकृतिक दृश्य देखकर वे अभिभूत हो गए। घने जंगलों, कल-कल बहती जलधारा और शांत वातावरण ने सभी राइडर्स को रोमांचित कर दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बीजापुर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऐसा पर्यटन स्थल है, जिसे हर प्रकृति प्रेमी और साहसिक यात्रा के शौकीन को अवश्य देखना चाहिए।यात्रा के दौरान C G25 राइडर्स के सदस्यों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर श्री विश्वदीप से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राइडर्स ने अपने ग्रुप का आधिकारिक बैच कलेक्टर को भेंट कर सम्मानित किया। कलेक्टर विश्वदीप ने राइडर्स की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे साहसिक पर्यटन अभियान बीजापुर की प्राकृतिक धरोहर को व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने राइडर्स से जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण करने तथा अपने अनुभवों को सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से साझा कर अधिक से अधिक लोगों को बीजापुर आने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।ष्टत्25 ग्रुप के सदस्य गीतेश ताम्रकर ने कहा कि बीजापुर की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और यहां के लोगों का आत्मीय व्यवहार अविस्मरणीय है।

नीट परीक्षा में पारदर्शिता और छात्र आंदोलन के समर्थन में उतरा छत्तीसगढ़ किसान यूनियन, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की उठाई मांग

धमतरी, (हि.स.)।छत्तीसगढ़ किसान यूनियन, जिला धमतरी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा में कथित धांधली और पेपर लीक के विरोध में चल रहे छात्र आंदोलन का समर्थन करते हुए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सोमवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष घनाराम साहू ने कहा कि जंतर-मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन पर बैठे शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा बलपूर्वक हटाकर अस्पताल ले जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। यूनियन का कहना है कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने का अधिकार देता है, ऐसे में आंदोलनकारियों को उनकी इच्छा के विरुद्ध जबरन अस्पताल में भर्ती कराना उचित नहीं है और यह घटना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

जिले के 12 रेशम हितग्राहियों ने बिलासपुर में पांच दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया

बीजापुर,(आरएनएस)। रेशम उत्पादन को वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बीजापुर जिला के 12 रेशम हितग्राहियों ने संयुक्त संचालक, रेशम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण बिलासपुर में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण 16 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को रेशम उत्पादन से संबंधित समस्त गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों द्वारा तसर पालन की वैज्ञानिक पद्धति, स्वस्थ डिम्ब समूहों का प्रबंधन, खाद्य पौधों का संरक्षण एवं प्रबंधन, कीट पालन की आधुनिक तकनीक, रोग एवं कीट नियंत्रण, कोसा उत्पादन, गुणवत्ता सुधार तथा उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के प्रभावी उपायों पर व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कांकेर में दो परिवार के मूल धर्म में वापसी से इनकार के बाद गांव से बेदखल कर दिया

कांकेर, (ए.)। जिले में ईसाई धर्मांतरण से जुड़े दो नए विवाद सामने आए हैं। एक तरफ ढेकुना गांव में धर्मांतरित व्यक्ति के शव को गांव की सरहद से हटाने की मांग तेज हो गई है, तो दूसरी तरफ ताड़ोकी क्षेत्र के बर्रेबेड़ा गांव में मूल धर्म में वापसी से इनकार पर 2 धर्मांतरित परिवारों को आज सोमवार को गांव से बेदखल कर दिया गया। इस मामले में विकासखंड के ताड़ोकी थाना क्षेत्र अंतर्गत बर्रेबेड़ा गांव में धर्मांतरण को लेकर तनाव है।गांव के दो परिवारों ने कई साल पहले धर्मांतरण कर लिया था। पिछले कुछ समय से ग्रामीण उन पर मूल धर्म में वापसी का दबाव बना रहे थे। जब दोनों परिवारों ने इनकार कर दिया तो ग्रामीण एकजुट हुए और सामूहिक निर्णय लेते हुए दोनों घरों का सामान उठाकर गांव की सीमा से बाहर फेंक दिया। इसके बाद घरों में ताला भी लगा दिया गया। घटना के समय तेज बारिश हो रही थी। घरेलू सामान, बर्तन और अनाज भीगते रहे। आरोप है कि घटना के दौरान मौके पर न तो पुलिस थी, और न ही प्रशासन का कोई अधिकारी।हाटकोंगेरा गांव में शव दफन को लेकर मामला शांत हुआ ही था कि अब पड़ोसी ढेकुना गांव में नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल हाटकोंगेरा, ढेकुना और नारा तीनों गांव की सरहद आपस में जुड़ी हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा पर अमल, उद्यान निर्माण के लिए 95.3 लाख स्वीकृत

रायपुर, (आरएनएस)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सारंगढ़ नगर पालिका में उद्यान के निर्माण के लिए 95 लाख 30 हजार रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सारंगढ़ में उद्यान निर्माण की घोषणा के अनुपालन में विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से अधोसंरचना मद से यह राशि स्वीकृत की गई है।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इसकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। अरुण साव ने उद्यान का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

इस्कॉन समिति एवं गीता भवन समिति द्वारा आयोजित भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित श्रद्धालुओं ने यात्रा मार्ग पर झाड़ू लेकर साफ-सफाई कर शुभारंभ किया

सीहोर (निप्र.)। शहर के बस स्टैंड के समीपस्थ गीता मानस भवन से इस्कॉन समितिऔर गीता मानस समिति के संयुक्त तत्वाधान में शहर के विभिन्न स्थान पर भगवान जगन्नाथ यात्रा निकाली गई। नवयौवन स्वरूप में भक्तों को दर्शन देने के बाद भगवान जगन्नाथ परिवार के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित श्रद्धालुओं ने यात्रा मार्ग पर झाड़ू लेकर साफ-सफाई कर शुभारंभ किया, इस मौके पर समिति की ओर से प्रदीप बिजौरिया आदि शामिल थे।

नपाध्यक्ष श्री राठौर ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहाकि इस्कॉन समिति एवं गीता भवन समिति द्वारा आयोजित भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में सम्मिलित होकर प्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र जी एवं माता सुभद्रा जी के दिव्य दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

यह पावन यात्रा श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति हमारी आस्था का अद्भुत प्रतीक है। प्रभु श्री जगन्नाथ जी से प्रार्थना है कि वे समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्रदान करें।

इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए इस्कॉन समिति, गीता भवन समिति तथा सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। रथयात्रा में चारों ओर जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयघोष गूंजते रहे। रथ खींचने वालों में खासा उत्साह नजर आया। हर कोई रथ खींचकर पुण्य का भागीदार बनने को उत्सुक दिखा। धार्मिक और सामाजिक संगठनों के अलावा जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कई आंखें भक्तिभाव से नम नजर आई तो कई हरि बोल, हरे राम, हरे कृष्णा बोल की धुन पर झूमते नजर आए।

संयुक्त संचालक ने किया वन स्टॉप सेंटर एवं आंगनबाड़ी का निरीक्षण

सीहोर (निप्र.)। महिला एवं बाल विकास भोपाल संभाग के संयुक्त संचालक हरिकृष्ण शर्मा ने सीहोर स्थित वन स्टॉप सेंटर और बिलकिसगंज स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान उन्होंने यहां महिलाओं के लिए उपलब्ध सभी सुविधाओं की जानकारी ली और हिंसा से पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता, काउंसलिंग सहित समस्त सेवाएं नियमानुसार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर पोषण कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन वात्सल्य, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, सक्षम आंगनवाड़ी सहित विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की।

करणी सेना परिवार जीवन सिंह शेरपुर के नेतृत्व में इंदौर से भोपाल ट्रैक्टर यात्रा, किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर प्रदर्शन

सीहोर। सोमवार को इंदौर से भोपाल किसानों की समस्याओं को लेकर करणी सेना परिवार टीम जीवन सिंह शेरपुर के नेतृत्व में भोपाल के लिए भव्य ट्रैक्टर-यात्रा निकाली गई। इस मौके पर पुलिस ने फंदा टोल को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया, इसको लेकर प्रदर्शन करने भोपाल जा रहे थे।

प्रशासन ने टोल पर ही यात्रा को रोका, इस मौके पर करणी सेना परिवार ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर करणी सेना परिवार के जिलाध्यक्ष सीहोर ईश्वर सिंह चौहान आदि शामिल थे। श्री चौहान ने बताया कि पुलिस कार्रवाई के बाद किसानों ने सड़क पर धरना शुरू कर दिया, किसान नेताओं का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक फैसला नहीं लिया गया तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा, किसानों का कहना है कि उचित मुआवजा मिले बिना वे

अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि खेती ही उनके परिवारों की आजीविका का सबसे बड़ा सहारा है। करणी सेना परिवार ने चेताया है कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आगामी दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहाकि किसानों की अनेक मांगे पूरी नहीं की जा रही है। जिसमें बीमा आदि की मांग प्रमुख है।

लंच में बच्चों को प्यास बुझाने घर जाना पड़ता है: गोरखपुर स्कूल में पेयजल व्यवस्था नहीं 247 बच्चों के बीच चार-पांच टीचर एक अतिथि

गोरखपुर (संजय कलमोर)। ग्राम गोरखपुर के शासकीय स्कूल में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि लंच के 1:00 बजे से 2:00 बजे के समय में छात्र-छात्राओं को पानी पीने के लिए स्कूल से अपने घर जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल में पीने के पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। गर्मी हो या सर्दी बच्चों को प्यास लगने पर घर जाना पड़ता है, जिससे पढ़ाई भी प्रभावित होती है और बच्चों का समय भी बर्बाद होता है। अभिभावकों ने बताया कि कई बार इस समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग और प्रशासन से मांग की है कि स्कूल में शीघ्र ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराई जाए, ताकि बच्चों को स्कूल छोड़कर घर न जाना पड़े और उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो देखा जाए तो स्कूल के बाहर हैंडपंप तो लगा है किन्तु उसमें गंदा पानी आने के कारण पीने योग्य नहीं है तहसील क्षेत्र के कई स्कूलों में भी ऐसे ही हालात नज़र आ रहे हैं। शासकीय माध्यमिक शाला गोरखपुर स्कूल मैं कक्षा एक से आठवीं तक 246 विद्यार्थी अध्यनरत है स्कूल में 6 शिक्षकों की स्थापना है जिसमें पांच शिक्षक एक अतिथि शिक्षक है यहां स्कूल में 246 छात्र छात्राएं के हिसाब से शिक्षकों की कमी पढ़ रही है शिक्षक नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है ।

बारिश की कामना को लेकर निकाली जाएगी दंडवत यात्रा

सीवन नदी तट स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर से प्राचीन गणेश मंदिर तक तीन किलोमीटर की पदयात्रा, बडी संख्या में श्रद्धालु होंगे शामिल

सीहोर (निप्र.)। अच्छी वर्षा, क्षेत्र की खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना को लेकर शहर में बुधवार को भव्य दंडवत यात्रा निकाली जाएगी। यह धार्मिक यात्रा दोपहर 3 बजे शहर के सीवन नदी तट स्थित प्राचीन गंगेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर प्राचीन गणेश मंदिर तक पहुंचेगी। लगभग तीन किलोमीटर की इस दंडवत यात्रा में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बडी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसको लेकर समाजसेवी आशीष गहलोत ने भगवान शिव से अच्छी बारिश की कामना को लेकर दंडवत यात्रा की तैयारियां पूर्ण की है। श्री गहलोत ने बताया कि बारिश नहीं होने के कारण खरीफ की फसल सूखने की कागर पर है और किसानों के चेहरे पर मायूसी छाई हुई है। कारणी सेना परिवार की ओर से ईश्वर सिंह चौहान, विनित गोयल, अजय रेकवार, संतोष योगी, पवन केवट, पंडित कुणाल व्यास, अंकित परमार, राहुल सिंह, पप्पू सेन, इमरत मेवाड़ा, प्रकाश नागर आदि रहेंगे।

कलेक्टर ने जिला परिवहन कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

जनहितैषी कार्यप्रणाली अपनाते हुए नागरिकों को त्वरित, सरल और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के कलेक्टर ने दिये निर्देश

सीहोर (निप्र.)। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिला परिवहन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालय की व्यवस्थाओं, ऑनलाइन सेवाओं एवं नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर, विभिन्न शाखाओं तथा अभिलेखों का अवलोकन किया और अधिकारियों को कार्यालय में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं नागरिक हितैषी वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितैषी कार्यप्रणाली अपनाते हुए नागरिकों को त्वरित, सरल एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान सारथी पोर्टल एवं वाहन पोर्टल पर संचालित ऑनलाइन प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन, परमिट, फिटनेस, कर भुगतान तथा अन्य ऑनलाइन सेवाओं के निष्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ऑनलाइन आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए तथा नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करना पड़ें। उन्होंने कहा कि कार्यालय आने वाले प्रत्येक नागरिक के साथ शालीन व्यवहार किया जाए तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने कार्यालय भवन के बेहतर संधारण, साफ-सफाई, अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों के लिये पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सूचना बोर्ड एवं हेल्प डेस्क जैसी नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि परिवहन विभाग की सभी सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखें तथा शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करें। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जिले में नियमित रूप से वाहन जांच अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिना वैध दस्तावेजों के संचालित वाहनों, ओवरलोडिंग, बिना हेलमेट एवं बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पुलिस के साथ संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। साथ ही स्कूल वाहनों, यात्री वाहनों एवं व्यावसायिक वाहनों की नियमित फिटनेस जांच सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन में जन जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

गुरु दीक्षा महोत्सव में गूंजेगा नशा मुक्ति का संकल्प : पं.मोहितराम पाठक

हजारों लोग छोड़ेंगे नशा व्यसन,तम्बाकू, श्रीमाधव महाकाल आश्रम बनेगा साक्षी

सीहोर (नि.प्र.)। पावन धरती सिद्धपुर सीहोर एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। आगामी 29 जुलाई, दिन बुधवार को श्रीराम गौशाला गोतीर्थ क्षेत्र स्थित श्री माधव महाकाल आरोग्य आश्रम, श्री केदारनाथ महादेव मंदिर परिसर में भव्य गुरु दीक्षा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

इस दिव्य अवसर पर हजारों श्रद्धालु एकत्रित होकर नशा व्यसन त्यागने का संकल्प लेंगे और नशा मुक्त भारत के अभियान को नई दिशा देंगे। यह आयोजन समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का एक बड़ा संदेश देगा। इस महोत्सव में पूज्य गुरुदेव धर्म रक्षक संत पंडित दुर्गा प्रसाद जी कटारे बाबा के पावन आशीर्वादतथा कथा व्यास, परम गौभक्त, क्रांतिकारी राष्ट्रीय संत पंडित मोहितराम जी पाठक के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम की विशेषता यह रहेगी कि गाय, गुरु और गोविंद का आशीर्वाद प्राप्त कर श्रद्धालु अपने जीवन में नई शुरुआत करेंगे और नशा मुक्त समाज की ओर कदम बढ़ाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार, यह महोत्सव केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सामाजिक जागरण

अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे की बुराई से दूर कर संस्कार, सेवा और सनातन संस्कृति से जोड़ना हैं ।

जिला जेल में दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

सीहोर (निप्र.)। सीहोर जिला जेल में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में जिला जेल के 303 बंदियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान Alcoholics Anonymous संस्था के प्रतिनिधियों ने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए बंदियों को नशे से दूर रहने तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

हरिओम सिसोदिया बने एनएसयूआई के नए जिलाध्यक्ष कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

सीहोर (निप्र.)। छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने संगठन का विस्तार करते हुए नवीन नियुक्तियाँ की गई है। जिसके तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद झाकर, राष्ट्रीय प्रभारी कनैया कुमार, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी, प्रदेश प्रभारी अंशुल त्रिपाठी की सहमति एवं जिला काँग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती की अनुसंशा पर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के द्वारा हरिओम सिसोदिया को सीहोर जिला एनएसयूआई अध्यक्ष मनोनित किया गया है।

हरिओम सिसोदिया को नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस घोषणा के बाद से ही स्थानीय कांग्रेस नेताओं और छात्र कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है।

शीर्ष नेतृत्व का माना आभार

अपनी नियुक्ति पर हरिओम सिसोदिया ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और छात्र संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त कतरे हुए उन्होंने कहा कि संगठन ने जो भरोसा जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे। उनका मुख्य उद्देश्य छात्रों के अधिकारों की लड़ाई लडना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है।

बधाई देने वालों का लगा तांता

हरिओम सिसोदिया की इस नई जिम्मेदारी पर क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, विधायकों और पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और आतिशबाजी के साथ नए जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। सोशल मीडिया पर भी सुबह से ही बधाई संदेशों का तांता लगा हुआ है। छात्रों के हक में काम करने का संकल्पवरिष्ठ कांग्रेस जनों ने उम्मीद जताई है कि हरिओम सिसोदिया के नेतृत्व में एनएसयूआई छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगा। कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर छात्रों को आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए संगठन अब नए जोश के साथ काम करेगा। बधाई देने वालों में पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश परमार, पूर्व अध्यक्ष डॉ.बलवीर तोमर, ओमदीप राठौर, ओम वर्मा, प्रीतम दयाल चौरसिया, राजेन्द्र वर्मा, राजाराम बड़े भाई, हरपाल सिंह ठाकुर, राजेश भूरा यादव, विवेक राठौर, घनश्याम यादव, देवेंद्र ठाकुर, रमेश गुप्ता, के.के.रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, कमलेश चाण्डक, मनीष मेवाड़ा, तनिष्क त्यागी, लक्की सक्सेना, विकास विश्वकर्मा, जतिन परमार आदि कार्यकर्ता शामिल हैं।

सोनम वांगचुक के समर्थन में छात्रों की एक दिवसीय भूख हड़ताल

भेरूंदा (संजय कलमोर)। स्थानीय विद्यार्थियों ने सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में एक दिवसीय सांकेतिक भूख हड़ताल की। इस दौरान छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करते हुए सरकार से सकारात्मक पहल की मांग की।भूख हड़ताल में शामिल छात्रों ने कहा कि सोनम वांगचुक द्वारा उठाए जा रहे मुद्दे देश और समाज के भविष्य से जुड़े हैं। छात्रों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर अपना समर्थन व्यक्त किया तथा संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और सभी ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का संकल्प दोहराया।

सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र से हुआ भगवान शिव का दिव्य अभिषेक

नौ से अधिक विप्रजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की शिव आराधना, सावन में नियमित होंगे शिव चालीसा पाठ एवं विशेष अभिषेक

सीहोर। शहर के मुगीसपुर के समीपस्थ श्री राधेश्याम विहार कॉलोनी में स्थित गोपेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र के जाप के साथ भव्य रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन संपन्न हुआ। यज्ञाचार्य पंडित सतीश तिवारी के मार्गदर्शन में नौ से अधिक विद्वान विप्रजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का अभिषेक एवं आराधना की। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष और वैदिक मंत्रों से भक्तिमय बना रहा। लगातार पांच दिनों से शिव और शक्ति की विशेष आराधना यहां पर की जा रही थी। सोमवार को अंतिम दिन हवन और पूजन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का दुग्ध, जल, पंचामृत एवं अन्य पूजन सामग्री से अभिषेक कर परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं मंगल

की कामना की। महामृत्युंजय मंत्र के सामूहिक जाप से पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर यज्ञाचार्य पंडित श्री तिवारी ने प्रवचन देते हुए कहा कि इस संसार में ईश्वर के अतिरिक्त कोई भी संपूर्ण नहीं है। इसलिए मनुष्य को अहंकार का त्याग कर सदैव भगवान के कीर्तन, ध्यान और मानव कल्याण के कार्यों में लगे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन भगवान का स्मरण करने, धर्म के मार्ग पर चलने और समाज सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति वही है, जो स्वयं के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी सुख और शांति का कारण बने। कार्यक्रम के दौरान संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी ने बताया कि आगामी श्रावण मास में प्रतिदिन प्रात: काल भगवान शिव का विशेष अभिषेक एवं शिव चालीसा का सामूहिक पाठ नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान शिव की आराधना का पुण्य लाभ लेने का आग्रह किया।

भारतीय स्टेट बैंक पेंशनस एसोसिएशन की बैठक, दो साल के लिए नई कार्यकारणी गठित

सीहोर (निप्र.)। भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन की इकाई सीहोर की बैठक का आयोजन शहर के इंग्लिशपुरा मार्ग स्थित एक निजी होटल में किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पेंशनर्स साथी मौजूद थे। इस मौके पर दो साल के लिए नई कार्यकारिणी गठित की गई, वहीं वार्षिक आम सभा सितंबर माह में आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान पेंशनरों को साइबर से होने वाले क्राइम की जानकारी दी गई। बैंक का कोई भी कर्मचारी, खातेदार से किसी प्रकार की ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगता है। ऐसा कोई फोन आपको आता है कि हम बैंक से बोल रहे हैं, आपका एक ओटीपी भेजा है, तो सबसे पहले आप अपने बैंक के अधिकारी से चर्चा करें। क्योंकि बैंक किसी प्रकार के लेनदेन के लिए ओटीपी नहीं मांगता है। ऐसा होने पर किसी को भी अपने खाते की जानकारी नहीं दें। ऐसे में आपके बताए ओटीपी से आपके खाते से साइबर से पूरी राशि निकली जा सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरीश चंद्र अग्रवाल एवं विशेष अतिथि हरि शर्मा भोपाल ने की। कार्यक्रम में दिवंगत सदस्यो एवं परिवार के लिये दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सीहोर इकाई के अध्यक्ष श्री अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थित हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया। इकाई में सम्मिलित होने वाले नये सदस्य धनराज साहू एवं श्रीमति जानकी सोलंकी का

पुष्पगुच्छ से सम्मान श्रीमति नम्रता गुप्ता महिला प्रतिनिधि द्वारा किया गया। सीहोर इकाइ के सचिव रघुनाथ सिंह वर्मा ने इकाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इकाई का बैंक प्रबंधन के साथ समंवय, इकाई के सदस्यो को दिये जाने विभिन्न प्रकार के सहयोग आदि पर प्रकाश डाला इसके साथ ही बैंक व्दारा की गई पेंशन मे सुधार के बारे मे भी जानकारी प्रदान की, इस उम्र मे मेडिकल व्यय अधिक हो जाते है, इसके लिये बैंक व्दारा संचालित मेडिक्लेम पालिसी पर विस्तृत चर्चा की एवं सभी साथियो से निवेदन किया की मेडीकल क्लेम पालिसी बी अवश्य प्राप्त करे जिससे आपके परिवार मे मेडिकल व्यय मे सहयोग मिल सके। आवश्यक सावधानियो जैसे एचआरएमएस पोर्टल को देखना, अपने पुराने खातो को केवायसी अपडेट कराना, पेनकार्ड को आधार कार्ड से लिंक कराना, प्राप्त होने वाली सही पेंशन राशि की जांच करना, डीजिटल आई कार्ड बनवाना तथा बैंक मे उचित अथारिटी फार्म प्रस्तुत करना जिससे पेंशनर के नही रहने पर उनकी पूंजी का भुगतान सही वारिस को मिल सके आदि विषयो पर विस्तृत चर्चा कर जानकारी प्रस्तुत की। आय-व्यय का ब्योरा कोषाध्यक्ष गिरजेश शर्मा ने प्रस्तुत किया। वहीं आगामी दो वर्ष के लिए एक बार फिर से हरीश अग्रवाल को अध्यक्ष नियुक्त किया। सभा का सफल संचालन जीएस सिसोदिया ने किया। अमित सोनगरा जी ने साइबर फ्रॉड से बचने एवं सावधानी बरतने के उपाय बताए। आभार प्रदर्शन इकाई के उपाध्यक्ष ब्रजेश पालीवाल ने की। कार्यक्रम के दौरान विशेष अतिथि हरि शर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम में इकाई के सतीश डावरे, विक्रम राठौर, महेश तिवारी, जीएस मेवाडा, हरी शर्मा, मनोहर बोयत, लक्ष्मण वैष्णव, बसंत जैन, राजेश रैकवार, रामगोपाल प्रजापति, केएन सक्सेना लतीफ खान, महेंद्र पालीवाल, कमलेश नामदेव, ओपी राजपूत, जेआर जैन, उषा चौरसिया, लक्ष्मी सोनगरा, निर्मला कुमरे आदि शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com